RNI NO. PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

पेज 07

साउथ में बंदिशें, हिंदी में आजादी: तमन्ना

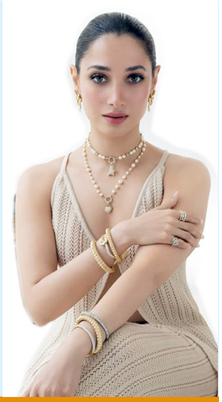

VOL: 03 | ISSUE 184 | MONDAY DATE 27-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

संयुक्त मोर्चा के जिला संयोजक जयकरण कादियान के आवास पर पहुंच कर स्वास्थ्य की जानकारी ली

» निर्मल सिंह विर्क

पानीपत, यूटर्न/ 26 जुलाई । दिल्ली जंतर मंतर पर छात्रों की हुई ऐतिहासिक जीत पर खुशियां बांटने के लिए संयुक्त किसान मोर्चा के सह संयोजक सुनील दत्त, अखिल भारतीय किसान स तय उच्चभा के जिला प्रधान डॉक्टर सुरेंद्र मलिक, मजदूर संगठन सीटू के नेता रामकुमार यादव संयुक्त किसान मोर्चा के जिला संयोजक भारतीय किसान यूनियन के पूर्व प्रधान जयकरण कादयान के आवास गांव सिवाह पर पहुंचे। किसान नेता पिछले 6 महीने से गंभीर बीमारियों के चलते बिस्तर पर हैं। उनके स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि आपने पानीपत जिला के अंदर ऐतिहासिक किसान आंदोलन के दौरान जो 13 महीने नेतृत्व किया और देश की तानाशाह भाजपा नेतृत्व वाली मोदी सरकार के घमंड को तोड़ते हुए किसानों के खिलाफ बनाए गए तीन कृषि काले कानून को रद्द करवाने के लिए आपके योगदान को क्रांतिकारी सलाम करते हैं।

उन्होंने कहा कि पहले किसान आंदोलन में हम सब देश के किसान-मजदूर ने मिलकर तानाशाह को धूल चटाई जिसमें 700 से ज्यादा किसानों ने शहादत दी। अब किसान-मजदूर की औलाद छात्र-युवा शक्ति ने तानाशाह का दूसरी बार घमंड को चकनाचूर करते हुए यह एहसास दिलाया कि हम क्रांतिकारी शाहिद भगत सिंह, अशफाक उल्ला खां के सपनों के भारत शोषण मुक्त समाज की स्थापना के संघर्ष को जारी रखेंगे और दोबारा काले अंग्रेजों के हाथों देश को गुलाम नहीं होने देंगे चाहे इसके लिए हमें कितनी ही कुबार्नी क्यों न देने पड़े। हिंदू मुस्लिम सिख इसाई इस देश की जान है जिनको कोई भी ताकत अलग नहीं कर सकती देश के किसान आंदोलन के बाद अब छात्र आंदोलन में यह पूरी तरह से साबित हो चुका है।

वरिष्ठ किसान नेता जयकरण कादयान ने भावुक होते हुए कहा कि अब मुझे पूरा विश्वास है कि हमारे भाईचारे के अंदर जहर घोलकर धर्म जाति के नाम पर नफरत फैलाने वाली संघ परिवार व भारतीय जनता पार्टी के गुंडे अब मेरे देश का कुछ नहीं बिगाड़ पाएंगे क्योंकि मेरे बच्चों ने जंतर मंतर पर इस आंदोलन पर जीत हासिल करके मेरे हौसले को मजबूत कर दिया है कि अब हमारे देश को कोई भी दुश्मन नहीं पाएगा।

दिल्ली के स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था की पड़ताल, कई स्कूलों में मिलीं कमियां

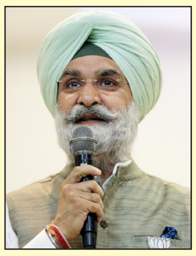

नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई । दिल्ली के निजी और सरकारी स्कूलों में सुरक्षा व्यवस्था और बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए व्यापक स्तर पर ऑडिट (जांच) अभियान चलाया जा रहा है। सरकार द्वारा उठाए गए इन कदमों का मुख्य उद्देश्य बच्चों और स्कूल स्टाफ को एक सुरक्षित माहौल देना है। उपराज्यपाल टी.एस. संधू और सीएम रेखा गुप्ता ने 6 जुलाई 2026 को दिए गए निदेर्शों के बाद 13 जुलाई 2026 से राजधानी के स्कूलों में यह अभियान शुरू किया गया था। अभियान के तहत 24 जुलाई 2026 तक दिल्ली के 1,677 स्कूलों का निरीक्षण किया जा चुका है।इनमें से 774 स्कूलों में सुरक्षा संबंधी कमियां पाई गई हैं, जिन्हें सुधारात्मक कार्रवाई के लिए चिन्हित किया गया है। यह निरीक्षण स्टूडेंट सेफ्टी चेकलिस्ट के आधार पर किया जा रहा है, जिसे राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (ठउढउफ), दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग के दिशा-निदेर्शों और पॉक्सो अधिनियम के अनुरूप तैयार किया गया है।सरकारी स्कूलः 790 स्कूलों का निरीक्षण किया गया, जिनमें 270 स्कूलों में कमियां पाई गईं। निजी स्कूलः 812 स्कूलों का निरीक्षण किया गया, जिनमें 463 स्कूलों में कमियां मिलीं।

पेपर लीक के खिलाफ आज लोकसभा में पेश हो सकता है नया बिल, दो धाराएं जोड़ीं

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई ।**

केंद्र सरकार पेपर लीक रोकने के लिए पब्लिक एग्जामिनेशन एक्ट, 2024 में संशोधन करने जा रही है। पीएम मोदी के आश्वासन के बाद सोमवार को कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग के केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह लोकसभा में नया बिल पेश कर सकते हैं। इसमें सजा और जुमार्ने के प्रावधानों को और सख्त किया गया है।बिल में दो नई धाराएं 12ए और 12बी जोड़ी गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इसके तहत केंद्र सरकार एक स्पेशल टास्क फोर्स का गठन करेगी। केंद्रीय जांच एजेंसी या एसआईटी को केंद्र सरकार द्वारा मामला सौंपे जाने के 2 महीने के अंदर जांच पूरी करनी होगी। फास्ट ट्रैक कोर्ट के जरिए रोज सुनवाई होगी। राज्य सरकारें और केंद्र शासित प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश के परामर्श से स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट नामित करेंगे। चार्जशीट दाखिल होने के तीन महीने के अंदर ट्रायल पूरा करना जरुरी होगा।

रिपोर्ट के मुताबिक बिल में अपील के लिए भी समय सीमा तय की गई है। स्पेशल फास्ट ट्रैक कोर्ट के फैसले के खिलाफ हाई कोर्ट में अपील की जा सकेगी। ऐसी अपील पर दो जजों की बेंच सुनवाई करेगी और इसे 3 महीने के भीतर निपटाने का प्रयास किया जाएगा। अपील फैसले के 30 दिनों के अंदर करनी होगी, जिसे विशेष परिस्थितियों में 90 दिनों तक बढ़ाया जा सकता है।

आदमपुर में अंत्योदय मेला आयोजित अतिरिक्त उपायुक्त ने किया शुभारंभ

» राजेश सलूजा

हरियाणा, यूटर्न/ 26 जुलाई । हरियाणा सरकार द्वारा प्रदेश के अंत्योदय परिवारों को सभी सरकारी योजनाओं का लाभ एकल खिड़की के माध्यम से उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से अंत्योदय योजना-परिवार उत्थान के तहत रविवार को आदमपुर में खंड विकास एवं पंचायत कार्यालय परिसर में परिवार उत्थान मेला का आयोजन किया गया।

अतिरिक्त उपायुक्त शालिनी चेतल ने कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए सेवा स्टॉलों का निरीक्षण किया। अतिरिक्त उपायुक्त ने अपने संबोधन में कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निदेर्शों के अनुरूप अंत्योदय योजना प्रदेश सरकार की सर्वोह्यच प्राथमिकता वाली योजना है। इस योजना का मूल उद्देश्य प्रदेश के सबसे गरीब परिवारों की पहचान कर उन्हें स्वरोजगार, कौशल विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा एवं वित्तीय सहायता से जोड़कर उन्हें आत्मनिर्भर एवं सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि ऐसे मेलों के माध्यम से पात्र परिवारों को भटकना नहीं पड़ता तथा एक ही स्थान पर सभी विभागों से सहायता प्राप्त हो जाती है। अतिरिक्त उपायुक्त ने बताया कि आदमपुर क्षेत्र में & हजार अंतोदय लाभार्थियों को संबंधित विभागो की विभिन्न योजनाओं के लिए चिन्हित किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मेले में प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों की गहनता से जांच कर पात्र व्यक्तियों को निर्धारित समयावधि में योजनाओं का लाभ प्रदान करना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि कोई भी पात्र लाभार्थी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।उन्होंने बताया कि परिवार पहचान पत्र के डाटा के आधार पर चिन्हित परिवारों को प्राथमिकता से कवर किया जा रहा है। मेले में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, पशुपालन एवं डेयरी विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, श्रम विभाग, कौशल विकास एवं औद्योगिक प्रशिक्षण विभाग, बैंकिंग क्षेत्र एवं स्वयं सहायता समूहों द्वारा स्टॉल लगाए गए। स्टॉलों पर अधिकारियों द्वारा लोगों को पेंशन, छात्रवृत्ति, आयुष्मान कार्ड, मुद्रा लोन, स्वरोजगार योजना, कौशल प्रशिक्षण सहित 47 प्रकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने मेले में पहुंचकर अपनी पात्रता की जांच करवाई और योजनाओं के लिए आवेदन किए।उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा आयोजित किए जा रहे इन मेलों से आमजन को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है और पारदर्शिता के साथ कार्यों का निष्पादन सुनिश्चित हो रहा है। इस अवसर पर एसडीएम ज्योति मित्तल, तहसीलदार रामनिवास भादु, तहसीलदार अजय चौहान, खंड विकास एवं पंचायत अधिकारी आदमपुर नवीन लोहान, अग्रणी जिला प्रबंधक बैंक कमल चंद गोयल, मुनीष एलावादी, जिला संयोजक बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ जेपी पाहवा, मंडल संयोजक श्याम सुंदर शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी भी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

कारगिल विजय दिवस पर सूरत में 100 फीट ऊंचे तिरंगे को दी गई सलामी

नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई । रविवार को गुजरात के डिप्टी सीएम हर्ष संघवी की अगुवाई में सूरत के मोटा वराछा इलाके के राम चौक पर कारगिल विजय दिवस कार्यक्रम के दौरान 100 फुट ऊंचा राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया और सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया गया। कारगिल विजय दिवस के मौके पर आयोजित इस कार्यक्रम में जन-प्रतिनिधि, स्थानीय नेता, छात्र और आम लोग एक साथ आए, ताकि 1999 के कारगिल युद्ध में शहीद हुए सैनिकों को श्रद्धांजलि दी जा सके।

देशभर में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सुना पीएम मोदी के मन की बात

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई ।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 136वें संस्करण को रविवार को देशभर में भाजपा नेताओं, मुख्यमंत्रियों, पूर्व सैन्य अधिकारियों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने सामूहिक रूप से सुना। कई राज्यों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए, जहां बड़ी संख्या में लोग प्रधानमंत्री के संबोधन को सुनने के लिए जुटे।

पटना में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री मोदी का 136वां 'मन की बात' कार्यक्रम सुना। वहीं, लखनऊ में कारगिल विजय दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्व सेना अधिकारियों, सेवानिवृत्त सैनिकों और बड़ी संख्या में लोगों ने प्रधानमंत्री के संबोधन को सामूहिक रूप से सुना।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी प्रताप नगर कम्युनिटी सेंटर पहुंचे, जहां उन्होंने आम लोगों के साथ बैठकर 'मन की बात' कार्यक्रम सुना। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी पटना में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को सुना।

पुणे में केंद्रीय राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने 'मन की बात' के 136वें एपिसोड के सार्वजनिक श्रवण कार्यक्रम में हिस्सा लिया। वहीं, हरियाणा के कैबिनेट मंत्री अनिल विज अंबाला कैंट स्थित जैन सोडा वाटर फैक्ट्री पहुंचे, जहां उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री का संबोधन सुना।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने पर्यावरण संरक्षण पर विशेष जोर दिया और देशवासियों से प्लास्टिक प्रदूषण जैसी गंभीर चुनौती से निपटने के लिए रिसाइक्लिंग और नवाचार आधारित प्रयासों को अपनाने की अपील की। प्रधानमंत्री ने बिहार के सीतामढ़ी जिले की 'वेस्ट टू वेल्थ' पहल का जिक्र करते हुए कहा, 'मेरे प्यारे देशवासियो, आज पूरी दुनिया प्लास्टिक प्रदूषण की चुनौती का सामना कर रही है। सिंगल-यूज प्लास्टिक वर्षों तक प्रकृति को नुकसान पहुंचाता है, इसलिए इसका सही तरीके से निपटान बेहद जरूरी है।

जंतर-मंतर पर प्रदर्शन खत्म होते ही एनडीएमसी का विशेष सफाई अभियान, 60 मीट्रिक टन कचरा हटाया गया

नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई । जंतर-मंतर पर प्रदर्शन समाप्त होने के तुरंत बाद नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) ने क्षेत्र में विशेष स्वच्छता, मरम्मत और सौंदर्यीकरण अभियान चलाया। एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल पूरी रात मौके पर मौजूद रहे और सफाई तथा पुनर्स्थापन कार्यों की निगरानी की। कार्य पूरा होने के बाद उन्होंने रविवार दोपहर जंतर-मंतर और आसपास के क्षेत्रों का दोबारा निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। एनडीएमसी के अनुसार, रातभर चले इस विशेष अभियान के दौरान लगभग 60 मीट्रिक टन कचरा हटाया गया। अभियान में शनिवार रात से रविवार तक 500 से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने हिस्सा लिया। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता, सिविल इंजीनियरिंग और उद्यान विभागों ने मिलकर सड़कों, फुटपाथों, डिवाइडरों, हरित पट्टियों, दीवारों और अन्य सार्वजनिक परिसंपत्तियों की सफाई, धुलाई, मरम्मत और पुनर्स्थापन का कार्य किया। कुलजीत सिंह चहल ने बताया कि प्रदर्शन समाप्त होते ही एनडीएमसी की टीमें तुरंत सक्रिय हो गई थीं और परिषद ने पूरे प्रदर्शन स्थल की सफाई किसी भी अन्य प्रतीकात्मक सफाई गतिविधि से पहले ही पूरी कर ली थी। सिविल इंजीनियरिंग विभाग ने अभियान के लिए लगभग 50 कर्मचारियों को तैनात किया। विभाग ने चार जेटिंग मशीनों की मदद से सड़कों और फुटपाथों की धुलाई की, दीवारों पर लिखे नारों को हटाकर दोबारा रंगाई-पुताई की तथा क्षतिग्रस्त कर्ब स्टोन और फुटपाथों की मरम्मत की। स्वास्थ्य एवं स्वच्छता विभाग की ओर से रातभर 75 सफाई कर्मचारियों और सुबह से 35 अतिरिक्त कर्मचारियों को तैनात किया गया। अभियान के दौरान 8 ऑटो टिपर, 2 भारी ट्रक, 1 जेसीबी और 3 हाई-प्रेशर जेटिंग मशीनों का इस्तेमाल कर करीब 60 मीट्रिक टन कचरा हटाया गया। उद्यान विभाग ने हरित पट्टियों, डिवाइडरों और उद्यान क्षेत्रों की सफाई, रखरखाव और पुनर्स्थापन का कार्य किया, जिससे क्षेत्र की हरियाली और सौंदर्य को फिर से बहाल किया गया। कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि प्रदर्शन समाप्त होते ही एनडीएमसी की सभी टीमें तुरंत मैदान में उतर गई थीं।

RNI NO. PUNBIL/2014/59416 UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

THE GOOD, BAD AND UGLY OF INDIA

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

बिना परेशानी के आम लोगों को समय पर सेवाएं देना आयकर विभाग की जिम्मेदारी: निर्मला

VOL: 03 | ISSUE 184 | MONDAY DATE 27-07-2026 | RS 3 | PAGE-8 | PUBLISHED BY: DELHI | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

संक्षिप्त खबरें

बीजेपी सांसद सारंगी की बेटी ने पोस्ट डिलीट करने से किया इनकार

नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई । धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद भले ही कॉकरोच जनता पार्टी का आंदोलन थम गया हो, लेकिन इससे जुड़ी चचाएं अब भी जारी हैं। आंदोलन में कई छात्रों और युवाओं ने खुलकर सरकार का विरोध किया था। अब इस आंदोलन की गूंज बीजेपी नेताओं के परिवारों तक पहुंच गई है। पिछले कुछ दिनों में दो ऐसे मामले सामने आए हैं, जिनमें बीजेपी नेताओं की बेटियों के नाम इस आंदोलन से जुड़े। पहला मामला ओडिशा का है जहां बीजेपी सांसद अपराजिता सारंगी की बेटी अर्चिता राहर के इंस्टाग्राम पोस्ट वायरल हुए। दावे के मुताबिक अर्चिता ने लिखा- मैं अपना पोस्ट डिलीट नहीं करूंगी। वहीं दूसरी ओर असम के मंत्री केशब महंत की बेटी दिबीसा महंत खुद नीट पेपर लीक के खिलाफ प्रदर्शन में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने पीएम मोदी के खिलाफ नारे भी लगाए। इस मामले पर मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि दिबीसा के प्रदर्शन के लिए उनके पिता केशब महंत को ट्रोल नहीं किया जाना चाहिए।

बब्बर खालसा का आतंकी गिरफ्तार, भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद

जालंधर, यूटर्न/ 26 जुलाई । पंजाब पुलिस ने सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद के नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए काउंटर इंटेलिजेंस जालंधर और जालंधर देहात पुलिस की संयुक्त टीम ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल से जुड़े एक आतंकी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने जालंधर से इस आतंकी को पकड़ा है, जिसके पास से भारी मात्रा में विस्फोटक बरामद हुआ है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक यह आतंकी मॉड्यूल विदेशों में बैठे अपने हैंडलर्स के इशारों पर काम कर रहा था। आरोपी के पास से 1.3 किलोग्राम हाई एक्सप्लोसिव से भरा एक आईईडी मिला है। आतंकी की अभी पहचान उजागर नहीं की गई है। पंजाब के डीजीपी के मुताबिक इस आईईडी में लोहे के छर्रे और बॉल बेयरिंग भी पैक किए गए थे। विस्फोटक की बनावट और मात्रा से यह साफ जाहिर होता है कि आतंकी पंजाब में हमले की साजिश रच रहे थे। समय रहते की गई कार्रवाई से राज्य की शांति भंग करने की एक बड़ी साजिश नाकाम हो गई है और दर्जनों निर्दोष लोगों की जानें बच गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जालंधर देहात के थाना पतारा में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और असलहा कानून की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है। रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है। डीजीपी ने कहा कि जांच का मुख्य उद्देश्य इस पूरे आतंकी नेटवर्क का पदार्फाश करना है।

हर्ष मल्होत्रा ने पेपर लीक मामले पर आप के दोहरे रवैये पर सवाल उठाए

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई ।**

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने रविवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग करने को लेकर 'आप' के 'दोहरे रवैये' की आलोचना की और आरोप लगाया कि पार्टी ने पंजाब में सामने आए हाईटेक नकल रैकेट पर आंखें मूंद ली हैं, जहां उनकी सरकार है।

उन्होंने 'आप' के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और उनके सहयोगी मनीष सिसोदिया पर खास तौर पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि वे दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के आंदोलन को 'हाईजैक' करने की कोशिश कर रहे थे। छात्रों के विरोध-प्रदर्शन के बीच प्रधान के इस्तीफे के बाद पत्रकारों से बात करते हुए मल्होत्रा ने कहा, दुर्भाग्य से, अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया जैसे नेताओं का दोहरा रवैया सबके सामने है, जो इस आंदोलन को हाईजैक करने की कोशिश कर रहे थे। सिर्फ 10 दिन पहले, जब पंजाब में फार्मास्युटिकल परीक्षा का पेपर लीक हुआ था, तब वे देश के शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग कर रहे थे। 19 जुलाई को पंजाब पुलिस और बाबा फरीद यूनिवर्सिटी ऑफ हेल्थ साइंसेज (बीएफयूएचएस) की फ्लाइंग स्क्वाड ने फामेर्सी ऑफिसर भर्ती परीक्षा के दौरान एक हाईटेक अंतरराज्यीय नकल रैकेट का पदार्फाश किया था।

प्रल्हाद जोशी ने शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त कार्यभार संभाला

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई ।**

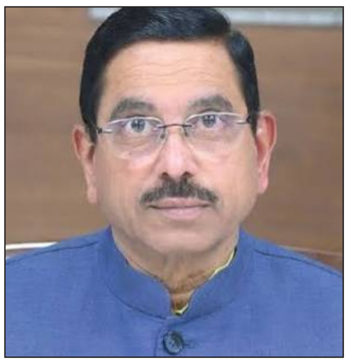

केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी ने रविवार को नए शिक्षा मंत्री के रूप में कार्यभार संभाल लिया। उन्हें श्री धर्मेंद्र प्रधान के पद से त्यागपत्र के बाद शिक्षा मंत्रालय का कार्यभार सौंपा गया था।

एक आधिकारिक घोषणा के अनुसार, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर श्री प्रधान का इस्तीफा स्वीकार कर लिया और श्री जोशी को शिक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार सौंप दिया। श्री जोशी उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालयों का नेतृत्व भी संभालते रहेंगे।

श्री प्रधान का इस्तीफा कॉकरोच जनता पार्टी के नेतृत्व में देश भर में फैले विरोध प्रदर्शनों के बाद आया है। इनमें प्रदर्शनकारी नीट परीक्षा पत्र लीक से जुड़े आरोपों को लेकर उन्हें पद से हटाने की मांग कर रहे थे।

परीक्षा रद्द होने के बाद कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले छात्रों के परिवारों को मुआवजा देने सहित अन्य मांगों पर सरकार द्वारा सहमति जताए जाने के बाद सीजेपी ने शनिवार को अपना आंदोलन वापस ले लिया।

निजी भागीदारी से बढ़ी अंतरिक्ष की उड़ान: मोदी

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई ।**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोला है जिसके अच्छे परिणाम 'विक्रम-1' के प्रक्षेपण के रूप में दुनिया के सामने हैं। श्री मोदी ने अपने मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में कहा कि पिछले रविवार (19 जुलाई 2026) को निजी क्षेत्र द्वारा विकसित रॉकेट विक्रम-1 के सफल प्रक्षेपण से हर भारतीय गौरवान्वित है। देश के अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए उन्होंने कहा, 'हमारे युवा नवोन्मेषकों ने वह कर दिखाया, जिसकी कभी कल्पना करना भी कठिन था। लंबे समय तक हमारा अंतरिक्ष क्षेत्र निजी क्षेत्र के लिए बंद रहा, जिससे अनेक प्रतिभाशाली युवाओं को अपनी क्षमता दिखाने का अवसर नहीं मिल पाया। हमने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोला और आज पूरी दुनिया उसके सकारात्मक परिणाम देख रही है।' प्रधानमंत्री ने साइंस ओलंपियाड में भारतीय विद्यार्थियों के अच्छे प्रदर्शन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस महीने आयोजित भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और गणित के ओलंपियाड में भारतीय दल ने शानदार प्रदर्शन किया है। भौतिकी ओलंपियाड में सभी पांच भारतीय विद्यार्थियों ने स्वर्ण पदक जीते और भारत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। पिछले एक दशक से हर भौतिकी ओलंपियाड में भारतीय प्रतिभागी स्वर्ण या रजत पदक जीतते आ रहे हैं। रसायन विज्ञान ओलंपियाड में भी सभी भारतीयों ने स्वर्ण पदक हासिल किये। जीव विज्ञान ओलंपियाड में भी हर भारतीय विद्यार्थी ने पदक जीते, जिनमें एक स्वर्ण पदक भी शामिल है।

'जेन जी का मतलब राष्ट्र प्रथम', विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम में युवाओं ने पीएम मोदी से साझा किए अनुभव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से 'विकसित वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम 2026' के प्रतिभागियों से संवाद किया। इस दौरान 'माई भारत' के स्वयंसेवकों ने सीमावर्ती गांवों में अपने अनुभव साझा किए और विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के दौरान दिव्यांशु जोशी ने प्रधानमंत्री से कहा कि सभी माई भारत स्वयंसेवकों की ओर से वह यह विश्वास दिलाते हैं कि जेन जी विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए पूरी तरह समर्पित रहेगी। उन्होंने कहा, 'हमारे लिए जेन जी का मतलब केवल एक पीढ़ी नहीं, बल्कि राष्ट्र-निर्माण, चरित्र-निर्माण, सेवा और नवाचार है। यानी जेन जी का अर्थ है 'राष्ट्र प्रथम'।' दिव्यांशु ने बताया कि सीमावर्ती गांवों के दौरे के दौरान सभी युवाओं ने अपने अनुभवों का दस्तावेजीकरण किया और उन्हें डायरी में दर्ज किया। अब इन सभी अनुभवों को एक विस्तृत सार रिपोर्ट के रूप में संकलित कर जल्द ही प्रधानमंत्री के साथ साझा किया जाएगा। इसी कार्यक्रम में एलएलबी की छात्रा निकिता ने भी सीमावर्ती हिमालयी क्षेत्रों की अपनी यात्रा का अनुभव साझा किया।

दिल्ली सरकार ने लता गुप्ता को बनाया महिला आयोग की अध्यक्ष, निर्मल जैन को अल्पसंख्यक आयोग की जिम्मेदारी

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई ।**

दिल्ली सरकार ने रविवार को अल्पसंख्यक और महिला आयोग में अहम पदों पर नियुक्तियों की घोषणा की। लता गुप्ता को दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष चुना गया है, जबकि दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग के अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी निर्मल जैन को दी गई है। दिल्ली के मुख्यमंत्री कार्यालय ने यह जानकारी दी।

सरकार ने दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष लता गुप्ता के अलावा श्याम बाला, मालती वर्मा, लता सोढ़ी, सनरिका शर्मा झा और रेनू भल्ला को सदस्य के रूप में नियुक्त किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय (दिल्ली सीएमओ) ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान, अधिकारों के संरक्षण और सशक्तिकरण में दिल्ली महिला आयोग की महत्वपूर्ण भूमिका है। इन नियुक्तियों से आयोग की कार्यक्षमता को नई गति मिलेगी तथा महिलाओं तक न्याय, संरक्षण और सहायता की पहुंच और अधिक प्रभावी होगी।'

वहीं, दिल्ली सरकार ने निर्मल जैन को दिल्ली अल्पसंख्यक आयोग का अध्यक्ष, जबकि कुलदीप सिंह और मोहम्मद हारून को सदस्य नियुक्त किया है। दिल्ली सीएमओ ने कहा, 'दिल्ली सरकार समाज के सभी वर्गों के अधिकारों, सम्मान और कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

छात्रों पर पुलिस कार्रवाई पर राहुल ने शाह को लिखा पत्र, मांगा जवाब

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई**

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर 20 जुलाई को जंतर मंतर छात्रों के प्रदर्शन के दौरान हुई पुलिस कार्रवाई पर जवाबदेही तय करने, पैलेट गन के इस्तेमाल करने की जांच कराने और संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। श्री गांधी ने शनिवार को लिखे इस पत्र को सार्वजनिक करते हुए रविवार को कहा कि छात्र निष्पक्ष और जवाबदेह शिक्षा व्यवस्था की मांग को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे, लेकिन उनकी बात सुनने के बजाय सुरक्षा बलों ने उन पर अंधाधुंध बल प्रयोग किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस कार्रवाई में पैलेट गन, आंसू गैस और अन्य घातक साधनों का इस्तेमाल किया गया, जिससे सैकड़ों छात्र गंभीर रूप से घायल हुए।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि महिला छात्राओं के साथ भी पुलिसकर्मियों द्वारा दुर्व्यवहार किया गया और जानबूझकर उनको निजी स्तर पर निशाना बनाया गया।

उन्होंने कहा कि सबसे गंभीर आरोप पैलेट गन के इस्तेमाल का है। मीडिया और सोशल मीडिया में सामने आई रिपोर्टों के अनुसार कई लोग, जिनमें एक पत्रकार भी शामिल है, पैलेट गन के इस्तेमाल से गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्होंने 19 वर्षीय साहिल लोचाब से मुलाकात की, जो गंभीर पीड़ा में है और पैलेट गन लगने के कारण उसकी एक आंख की रोशनी जाने की आशंका है।

पंजाब पेपर लीक मामले में हरजोत बैंस इस्तीफे दें: सिरसा

नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई पंजाब में डी फॉमेर्सी पेपर लीक मामले पर भाजपा नेता और दिल्ली सरकार में मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने पंजाब की आम आदमी पार्टी की सरकार पर जमकर निशाना साधा है। उन्होंने पंजाब के शिक्षा मंत्री हरजोत सिंह बैंस के इस्तीफे की मांग की है। मनजिंदर सिंह सिरसा ने वीडियो जारी कर कहा कि आम आदमी पार्टी के नेता मनीष सिसोदिया की ओर से कहा गया था कि अगर सरकार में पेपर लीक होगा तो मंत्री का इस्तीफा ले लिया जाएगा। पंजाब पेपर लीक मामले को लेकर जब अभिजीत दीपके से पूछा गया कि क्या इस्तीफा होना चाहिए, तो उन्होंने कहा कि पंजाब पेपर लीक मामले पर भी इस्तीफा होना चाहिए।

क्या बिट्टू के इस्तीफे से पंजाब को फायदा होगा? तभी, अगर राजनीति वो कर दिखाए जो सत्ता नहीं कर पाई!

संदीप शर्मा

कागज पर तो पंजाब को नुकसान ही हुआ है: रवनीत सिंह बिट्टू के केंद्रीय मंत्रिपरिषद से इस्तीफा देने के बाद, अब नई दिल्ली में राज्य की एक आवाज कम हो गई है। ऐसे देश में जहाँ मंत्री पद होने का मतलब अक्सर फैसले लेने वालों तक आसान पहुँच, प्रोजेक्ट्स के लिए तेजी से मंजूरी और ज्यादा राजनीतिक दबदबा होता है, वहाँ केंद्रीय मंत्री का पद खोना शायद ही कोई अच्छी खबर हो। फिर भी, राजनीति शायद ही कभी वैसी होती है जैसी कागज पर दिखती है। अगर बिट्टू का इस्तीफा वास्तव में विधानसभा चुनावों से पहले उन्हें पंजाब में फुल-टाइम तैनात करने की बीजेपी की रणनीति का हिस्सा है, तो राज्य को फायदा हो सकता है—लेकिन पारंपरिक अर्थों में नहीं। यह फायदा तुरंत नहीं मिलेगा, और न ही यह सरकारी फाइलों या कैबिनेट की बैठकों से आएगा। अगर ऐसा कुछ होगा, तो वह ज्यादा प्रतिस्पर्धी राजनीति के जरिए ही होगा। ऐसा लगता है कि बीजेपी ने यह तय कर लिया है कि बिट्टू दिल्ली के सत्ता के गलियारों की तुलना में पंजाब की सड़कों पर ज्यादा काम के हैं। राज्य मंत्री के तौर पर उनका प्रभाव जाहिर तौर पर सीमित था। एक फुल-टाइम राजनीतिक प्रचारक के तौर पर, वह हर दिन पार्टी को संगठित करने, किसानों, उद्योगपतियों और युवाओं तक पहुँचने और उस राज्य में बीजेपी की पैठ बढ़ाने की कोशिश में लगा सकते हैं जहाँ वह लंबे समय से एक स्वतंत्र ताकत के तौर पर उभरने के लिए संघर्ष कर रही है।

बीजेपी के लिए यह एक सोच-समझकर किया गया दांव है: पंजाब उन कुछ बड़े राज्यों में से एक है जहाँ पार्टी खुद को मुख्य राजनीतिक ताकत के तौर पर स्थापित नहीं कर पाई है। बिट्टू को मंत्री पद की ज़िम्मेदारियों से मुक्त करके, नेतृत्व यह संकेत दे रहा है कि अगला विधानसभा चुनाव पहले ही शुरू हो चुका है। लेकिन इसकी एक कीमत भी चुकानी होगी, जिसे नकारा नहीं जा सकता। पंजाब ने केंद्र सरकार में अपने सीधे प्रतिनिधियों में से एक को खो दिया है। चाहे रेलवे प्रोजेक्ट्स हों, फूड प्रोसेसिंग पहल हो या निवेश के प्रस्ताव, किसी राज्य के मंत्री अक्सर क्षेत्रीय हितों के लिए अनौपचारिक पैरोकार के तौर पर काम करते हैं। जब तक किसी दूसरे पंजाबी नेता को मंत्रालय में शामिल नहीं किया जाता, तब तक केंद्र में राज्य का प्रभाव निश्चित रूप से कम हो जाएगा।

यह एक अजीब विडंबना है: जो राज्य अक्सर नई दिल्ली द्वारा नजरअंदाज किए जाने की शिकायत करता रहा है, अब फैसले लेने वाली मेज पर उसकी एक सीट कम हो गई है। खुद बिट्टू के लिए, दांव बहुत ऊँचे हैं। कैबिनेट पदों से रुतबा, पहचान और अधिकार मिलते हैं। राज्य की राजनीति में ऐसी कोई गारंटी नहीं होती। यह राजनीति माफ न करने वाली और बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धी होती है, और आखिरकार इसका फैसला सिर्फ़ चुनावी नतीजों से होता है। अगर वह पंजाब में इखढ को मजबूत बनाने में कामयाब हो जाते हैं, तो उनके इस्तीफे को एक साहसी और रणनीतिक कदम के तौर पर याद किया जाएगा। अगर ऐसा नहीं होता है, तो इसे अनिश्चित राजनीतिक फायदे के लिए मंत्री पद की ऐसी कुबार्नी माना जाएगा जिसे टाला जा सकता था।

तो, क्या पंजाब को फायदा होगा? ऐसा तभी होगा जब बिट्टू की राज्य की राजनीति में वापसी से सभी पार्टियों के बीच मजबूत राजनीतिक मुकाबला हो, बेहतर गवर्नेंस मिले और जवाबदेही बढ़े। अगर उनकी भूमिका सिर्फ़ चुनावी बयानबाजी तक ही सीमित रही, तो पंजाब बस दिल्ली के एक मंत्री को बदलकर चुनावी प्रचार में लगे एक और नेता को ले आएगा। राज्य ऐसा सौदा करने का जोखिम नहीं उठा सकता।

नैतिकता नहीं, भारी युवा आक्रोश के चलते हुआ शिक्षा मंत्री का इस्तीफा

तनवीर जाफरी

दरअसल धर्मेंद्र प्रधान बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा और उसकी सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों से गहराई से जुड़े रहे हैं। उनका पूरा राजनीतिक और सामाजिक आधार संघ से ही प्रेरित रहा है। धर्मेंद्र प्रधान के पिता डॉ. देबेंद्र प्रधान ओडिशा में भाजपा के शुरूआती नेताओं में से थे और स्वयं संघ के आजीवन कार्यकर्ता रहे। डॉ. देबेंद्र प्रधान 1998-2004 के मध्य वाजपेयी सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री भी रहे। जुलाई 2021 में जब धर्मेंद्र प्रधान को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद की जिम्मेदारी दी गई, तो उन्होंने देश की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (ठएढ 2020) को लागू करने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किया।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग को लेकर दिल्ली के जंतर मंतर पर चल रहा छात्रों व युवाओं का आंदोलन अभी लगभग पूरे देश में फैलता ही जा रहा था कि गत शनिवार सरकार को उन्हें पद से हटाना ही पड़ गया। आंदोलित छात्रों को केवल विपक्ष या अन्य तमाम सेलेब्रिटीज का ही समर्थन नहीं मिला बल्कि उन्हें भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री मुरली मनोहर जोशी का भी समर्थन हासिल हुआ। जोशी ने छात्र आंदोलन को अपना समर्थन देते हुये कहा था कि महिलाओं और कम उम्र की लड़कियों के साथ बेरहमी से बुरा व्यवहार किया गया, जिससे उन्हें गहरा दुख हुआ। उन्होंने कहा कि छात्र कई दिनों से नई दिल्ली की सड़कों पर हैं और उनकी चिंताएँ वाजिब हैं, जिनका समाधान सहानुभूति और संवाद के माध्यम से होना चाहिए था, न कि केवल कानून-व्यवस्था का मामला मानकर बल प्रयोग से। परन्तु अहंकारी सत्ता ने समय रहते शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को हटाने की उनकी मांग पूरी करने के बजाय पुलिस बल का प्रयोग कर उन्हें भयभीत करने की रणनीति अपनाई। और आखिरकार पुलिस की दमनकारी नीति सरकार को और भारी पड़ गयी।

सवाल यह है कि जिस धर्मेंद्र प्रधान के जुलाई 2021 से जुलाई 2026 तक के शिक्षा मंत्री के कार्यकाल के दौरान देश में अलग-अलग स्तरों पर लगभग 70 से 80 बार पेपर लीक के मामले सामने आए हैं। जिस धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री मंत्री रहते विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं (विशेषकर ठएएळ और वऋछ-ठएळ) में हुई पेपर लीक की घटनाओं और उनके मानसिक तनाव के कारण और उसके बाद उनके भविष्य को लेकर पैदा हुई अनिश्चितता के चलते पिछले कुछ हफ़्तों में ही 21 छात्रों ने आत्महत्या कर ली। और देश के करोड़ों छात्रों का भविष्य सीधे तौर पर प्रभावित हुआ, केवल नीट परीक्षा के पेपर लीक, परिणाम रद्द होने और री-टेस्ट के कारण

अकेले 22 लाख से अधिक (2.2 मिलियन) छात्रों का भविष्य अधर में लटक गया और उन्हें दोबारा भीषण मानसिक तनाव में परीक्षा की तैयारी करनी पड़ी। इसी तरह यूजीसी-नेट परीक्षा, डार्क नेट पर पेपर लीक होने की वजह से रातों-रात परीक्षा रद्द होने के कारण 9 लाख से अधिक छात्रों का कैरियर सीधे प्रभावित हुआ। ऐसे शिक्षा मंत्री को हटाने में सरकार को आखिर इतना समय क्यों लगा?

दरअसल धर्मेंद्र प्रधान बचपन से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की विचारधारा और उसकी सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों से गहराई से जुड़े रहे हैं। उनका पूरा राजनीतिक और सामाजिक आधार संघ से ही प्रेरित रहा है। धर्मेंद्र प्रधान के पिता डॉ. देबेंद्र प्रधान ओडिशा में भाजपा के शुरूआती नेताओं में से थे और स्वयं संघ के आजीवन कार्यकर्ता रहे। डॉ. देबेंद्र प्रधान 1998-2004 के मध्य वाजपेयी सरकार में केंद्रीय राज्य मंत्री भी रहे। जुलाई 2021 में जब धर्मेंद्र प्रधान को केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद की जिम्मेदारी दी गई, तो उन्होंने देश की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (ठएढ 2020) को लागू करने पर अपना पूरा ध्यान केंद्रित किया। इस दौरान उन्होंने पाठ्यपुस्तकों की समीक्षा कर भारतीय महापुरुषों और स्वदेशी इतिहास को प्रमुखता से शामिल करने का कार्य किया, जिसे संघ के सांस्कृतिक और शैक्षिक दृष्टिकोण के अनुकूल माना जाता है। धर्मेंद्र प्रधान के शिक्षा मंत्री रहते हुए, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (ठएढ 2020) और नए नेशनल उ४११्र४'४ फ्रेम वर्क (ठउऋरए 2023) के तहत स्कूली पाठ्यक्रमों (विशेषकर ठउएफळ किताबों) में व्यापक बदलाव किए गए। इसमें वेदों, प्राचीन भारतीय ग्रंथों, पारंपरिक ज्ञान, प्राचीन खगोल विज्ञान और भारत की समृद्ध गणितीय विरासत (जैसे प्राचीन गणितज्ञों के योगदान) से जुड़े संदर्भों को पाठ्यक्रम में शामिल किया गया। कक्षा 6 से ही कोडिंग, वित्तीय साक्षरता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, और स्थानीय शिल्पकला (जैसे मिट्टी के बर्तन बनाना, बागबानी आदि) जैसे व्यावहारिक विषयों को मुख्य पाठ्यक्रम में जोड़ा गया। स्कूली स्तर पर स्वास्थ्य, कल्याण और योग को शारीरिक शिक्षा के अनिवार्य और मुख्य मूल्यांकन का हिस्सा बनाया गया। इसी तरह ठउएफळ की कक्षा 6 से 12वीं तक की किताबों से पाठ्यक्रम का लगभग 30% हिस्सा हटा दिया गया, जिसे लेकर काफी विवाद भी हुआ। इतिहास की किताबों (विशेषकर कक्षा 12वीं) से मुगल दरबार, मुगल शासकों के इतिहास और उनके प्रशासनिक तौर-तरीकों से जुड़े कुछ विस्तृत अध्यायों और अंशों को हटाया या छोटा किया गया। सामाजिक विज्ञान की किताबों से 2002 के गुजरात दंगे, देश में लागू हुआ आपातकाल, नक्सली आंदोलन और शीत युद्ध के दौर से जुड़े कई महत्वपूर्ण संदर्भों और अध्यायों को पूरी तरह हटा दिया गया। कक्षा 9वीं और 10वीं की विज्ञान की किताबों से जीवों के विकास के सिद्धांत यानी डार्विन का सिद्धांत और आवर्त सारणी के कुछ बुनियादी अध्यायों को मुख्य पाठ्यक्रम से हटाया गया।

श्रावणी मेला : गंगा, शिव और लोकआस्था का अनश्वर उत्सव

सुल्तानगंज से देवघर तक : जहां पदयात्रा संस्कृति का तीर्थ बन जाती है

कुमार कृष्णन

भारत की सांस्कृतिक स्मृति में कुछ यात्राएँ केवल एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुँचने का माध्यम नहीं होतीं, वे मनुष्य के भीतर की यात्रा का भी रूप ले लेती हैं। वे पगडंडियों पर चलती हुई सभ्यता की कथा कहती हैं, लोकजीवन की धड़कनों को स्वर देती हैं और मनुष्य को उसके मूल से जोड़ती हैं। बिहार के भागलपुर जिले के सुल्तानगंज से झारखंड के देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ धाम तक होने वाली श्रावणी कांवड़ यात्रा ऐसी ही एक जीवंत सांस्कृतिक परंपरा है। यह यात्रा केवल गंगाजल लेकर शिव के दरबार तक पहुँचने का अनुष्ठान नहीं, बल्कि भारतीय लोकजीवन की उस अविरल धारा का उत्सव है, जिसमें आस्था, अनुशासन, सेवा, सह-अस्तित्व और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता एक साथ प्रवाहित होती है।

उत्तरवाहिनी गंगा के पवित्र जल को कांवर में भरकर वे लगभग 105 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा तय करते हुए देवघर में बाबा बैद्यनाथ के ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक करेंगे। करोड़ों कदमों से बनती यह यात्रा भारत की सबसे बड़ी लोकआस्थाओं में से

एक है, जो किसी सरकारी निमंत्रण या औपचारिक आयोजन से नहीं, बल्कि जनविश्वास की स्वाभाविक शक्ति से संचालित होती है।

श्रावण का महीना आते ही सुल्तानगंज का भूगोल बदल जाता है। गंगा के तट पर केसरिया रंग उतर आता है। दूर-दूर तक बोल बम और हर-हर महादेव का घोष गूंजने लगता है। ऐसा लगता है मानो नदी स्वयं मंत्रोच्चार कर रही हो और धरती श्रद्धा के पदचिह्नों से भर उठी हो। हजारों नहीं, लाखों लोग एक ही उद्देश्य, एक ही संकल्प और एक ही विश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं। इस विराट जनसमूह में न जाति का भेद दिखाई देता है, न भाषा का, न प्रदेश का। यहाँ हर व्यक्ति केवल एक पहचान से जाना जाता है—कांवरिया।

भारतीय संस्कृति की सबसे बड़ी विशेषता यही रही है कि उसने धर्म को केवल मंदिरों की चारदीवारी तक सीमित नहीं रखा। यहाँ धर्म जीवन के व्यवहार, प्रकृति के सम्मान और समाज की साझी चेतना से जुड़ा रहा है। इसी कारण भारतीय तीर्थयात्राएँ केवल पूजा-पद्धति नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता की सबसे सशक्त अभिव्यक्तियाँ हैं। सुल्तानगंज से देवघर तक की यात्रा इसी परंपरा का जीवंत उदाहरण है। इस यात्रा का आरंभ जिस सुल्तानगंज से होता है, उसकी महत्ता केवल इसलिए नहीं कि यहाँ से कांवर उठती है। यह भारत के उन विरल तीर्थों में है जहाँ गंगा उत्तर की ओर बहती है। सामान्यतः गंगा का प्रवाह दक्षिण और पूर्व की दिशा में होता है, किंतु सुल्तानगंज में वह उत्तरवाहिनी बन जाती है। भारतीय धार्मिक परंपरा में उत्तरवाहिनी गंगा को अत्यंत पवित्र और मोक्षदायिनी माना गया है। यही कारण है कि यहाँ से लिया गया गंगाजल विशेष रूप से पूजनीय माना जाता है और उसी जल से बाबा बैद्यनाथ का अभिषेक करने की परंपरा सदियों से चली आ रही है।

गंगा के मध्य विशाल शिला पर अवस्थित बाबा अजगैवीनाथ मंदिर इस यात्रा का आध्यात्मिक द्वार है। सदियों से श्रद्धालु यहीं जल भरकर अपनी पदयात्रा आरंभ करते हैं। नदी के बीच स्थित यह मंदिर मानो जल और जीवन, प्रकृति और पुरुष, शिव और शक्ति के शाश्वत मिलन का प्रतीक बनकर खड़ा है।

टाटा मोटर्स ने जून में की 33,656 यूनिट्स डिस्पैच, दबदबा कायम

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई ।

भारतीय इलेक्ट्रिक कार (ईवी) बाजार में एक बार फिर टाटा मोटर्स का दबदबा कायम रहा, जिसने जून 2026 में 14,657 यूनिट्स कारों का डिस्पैच दर्ज किया। टाटा के डिस्पैच में मासिक आधार पर 41.2 प्रतिशत की शानदार बढ़ोतरी देखी गई, जबकि मई 2026 में यह आंकड़ा 10,377 यूनिट्स था। टाटा मोटर्स की इस सफलता के पीछे पंच ईवी और नेक्सन ईवी को ग्राहकों से मिला जबरदस्त रिस्पॉन्स है। इसके अलावा, टियागो ईवी और बाजार में हाल ही में कदम

रखने वाली नई सिएरा ईवी ने भी कंपनी की स्थिति को काफी मजबूत किया है। बिक्री के लिहाज से, टाटा पंच ईवी को सबसे ज्यादा ग्राहक मिले, जबकि टाटा नेक्सन ईवी दूसरे नंबर पर रही। इस लिस्ट में दूसरे स्थान पर महिंद्रा रही, जिसने 8.1 प्रतिशत की मासिक बढ़ोतरी के साथ कुल 7,603 यूनिट्स कारों का डिस्पैच किया।

वहीं, जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर 33.8 प्रतिशत की मासिक बढ़ोतरी के साथ 5,971 यूनिट्स डिस्पैच करके तीसरे स्थान पर रही। मारुति सुजुकी ने 39.2 प्रतिशत की सालाना बढ़ोतरी के साथ कुल 2,003 यूनिट्स कारों का डिस्पैच किया और चौथे स्थान पर रही।

दूसरी ओर, वियतनाम की कार निर्माता कंपनी विनफास्ट को 18.3 प्रतिशत की मासिक गिरावट का सामना करना पड़ा और उसने कुल 1,928 यूनिट्स कारों का डिस्पैच किया। किया 25 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 711 यूनिट्स के साथ छठे स्थान पर रही।

सबसे चौंकाने वाली बढ़ोतरी टोयोटा की रही, जिसने 920 प्रतिशत की मासिक बढ़ोतरी के साथ 459 यूनिट्स कारों का डिस्पैच किया और सातवें स्थान पर रही। हुंडई 17 प्रतिशत की मासिक गिरावट के साथ 253 यूनिट्स डिस्पैच करके आठवें स्थान पर रही, जबकि सिट्रोएन 121.9 प्रतिशत की मासिक बढ़ोतरी के साथ 71 यूनिट्स डिस्पैच करके अंतिम स्थान पर रही।

बिना परेशानी के आम लोगों को समय पर सेवाएं देना आयकर विभाग की जिम्मेदारी : निर्मला

सीतारमण ने मुंबई और नवी मुंबई इलाकों में कई आयकर अधिकारियों के सरकारी आवास में न रहने के मुद्दे पर भी ध्यान केंद्रित करने का वादा किया। उन्होंने संकेत दिया कि उनमें से आधे अधिकारियों को यह सुविधा नहीं मिलती है और उन्हें काम पर जाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है।

» मुंबई, यूटर्न/ 26 जुलाई ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कहा कि आयकर विभाग का काम केवल कर वसूलना नहीं, बल्कि आम लोगों को इधर-उधर दौड़ाए बिना उनके हित में काम करना है। साथ ही, बिना परेशानी के समय पर सेवाएं देना भी विभाग की जिम्मेदारी है। देश की आर्थिक राजधानी में नरीमन पॉइंट पर आयकर विभाग की 13 मंजिल की नई इमारत 'आयकर सिंधु' के उद्घाटन के दौरान वित्त मंत्री ने सरकारी विभागों के 'सुस्त' रवैये पर भी अपनी निराशा जाहिर की, जिसकी वजह से सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जे या अतिक्रमण होते हैं और सभी अधिकारियों के कामकाज में ईमानदारी की जरूरत पर जोर दिया। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा कि जिस जमीन पर यह इमारत खड़ी है, वह 1973 से विभाग के पास थी, लेकिन उपयोग होने के कारण वहां अवैध कब्जे हो गए थे। साथ ही, अधिकारियों पर नाराजगी जाहिर करने हुए कहा कि सरकार संपत्तियों की सुरक्षा करना अधिकारियों की जिम्मेदारी है।

वित्त मंत्री ने इमारत को बनाने में आने वाली मंजूरी संबंधी चुनौतियों का जिक्र करते हुए आगे कहा कि एक शक्तिशाली सरकारी विभाग को मंजूरी लेने में इतना समय और कई दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है तो आम आदमी को होने वाली परेशानियों का अंदाजा लगाना मुश्किल नहीं है।

साथ ही, उन्होंने अधिकारियों से कहा कि उन्हें लोगों की समस्याओं को समझना चाहिए और अनावश्यक देरी से बचना चाहिए।

सीतारमण ने स्पष्ट कहा कि वह अधिकारियों से नियम तोड़ने या आम नागरिकों के लिए कुछ हटकर करने को नहीं कह रही हैं, लेकिन उन्होंने अफसोस जताया कि इस देश में लोगों को अपना जायज हक पाने के लिए बहुत मशक्कत करनी पड़ती है। सीतारमण ने मुंबई और नवी मुंबई इलाकों में कई आयकर अधिकारियों के सरकारी आवास में न रहने के मुद्दे पर भी ध्यान केंद्रित करने का वादा किया। उन्होंने संकेत दिया कि उनमें से आधे अधिकारियों को यह सुविधा नहीं मिलती है और उन्हें काम पर जाने के लिए लंबी दूरी तय करनी पड़ती है। सीतारमण ने कहा कि वह इस काम के लिए सरकारी स्तर पर जमीन के ट्रांसफर को प्राथमिकता देंगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि वह जमीन के तेजी से ट्रांसफर में मदद करेंगी, जबकि बाकी काम - जैसे मंजूरी लेना, निर्माण कार्य, केंद्रीय लोक निर्माण विभाग के साथ काम करना और कॉन्ट्रैक्ट व टेंडर देना- आयकर अधिकारियों को ही करना होगा।

नेपाल में भारतीय 200 और 500 नोटों को मिली वैधता, सीमा 25,000

» काठमांडू, यूटर्न/ 26 जुलाई ।

नेपाल ने नौ नवंबर 2016 के बाद जारी भारतीय 200 और 500 रुपये के नोटों को अपने देश में लाने और बाहर ले जाने की अनुमति दे दी है। हालांकि, इसकी अधिकतम सीमा प्रति व्यक्ति 25,000 रुपये रखी गई है। इस कदम से भारत और नेपाल के बीच यात्रा तथा व्यापारिक लेनदेन और सुगम हो सकेंगे। भारत द्वारा 2016 में नोटबंदी किए जाने के बाद नेपाल में सिर्फ 100 रुपये के भारतीय नोटों को ही लाने-ले जाने की अनुमति थी। नेपाल राष्ट्र बैंक (एनआरबी) ने एक नया नोटिस जारी कर स्पष्ट किया कि नौ नवंबर, 2016 के बाद जारी 200 और 500 रुपये के भारतीय नोट अब 25,000 रुपये की सीमा के साथ मान्य होंगे। हालांकि, नौ नवंबर, 2016 से पहले जारी पुराने 500 और 1,000 रुपये के नोट नेपाल में प्रतिबंधित रहेंगे। एक एनआरबी प्रवक्ता ने स्पष्ट किया कि नेपाली नागरिक भारत के अलावा किसी अन्य देश से नेपाल में भारतीय मुद्रा नहीं ला सकते और न ही ले जा सकते हैं। यह नियम 11 फरवरी को राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के माध्यम से पहले ही लागू कर दिया गया था।

कोयंबटूर एयरपोर्ट विस्तार को मिली रफ्तार, चौड़े पहुंच मार्ग के लिए भूमि सर्वे पूरा

» कोयंबटूर, यूटर्न/ 26 जुलाई ।

तमिलनाडु में कोयंबटूर अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के लंबे समय से लंबित विस्तार की परियोजना क्रियान्वयन के एक कदम और करीब आ गई है, क्योंकि जिला प्रशासन ने स्थानीय निवासियों और किसानों द्वारा मांगी गई 10.5 मीटर चौड़ी पहुंच सड़क के निर्माण को सुविधाजनक बनाने के लिए विस्तृत भूमि सर्वेक्षण पूरा कर लिया है।

अधिकारियों ने बताया कि सर्वेक्षण रिपोर्ट और संशोधित भूमि मानचित्र अब भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) को सौंप दिए गए हैं। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद हवाई अड्डे की परिधि दीवार (बाउंड्री वॉल) का निर्माण कार्य फिर से शुरू होने की उम्मीद है। कोयंबटूर एयरपोर्ट का विस्तार पश्चिमी तमिलनाडु की सबसे महत्वपूर्ण आधारभूत संरचना परियोजनाओं में से एक माना जा रहा है। उन्नत हवाई अड्डे से क्षेत्र की औद्योगिक, वाणिज्यिक और अंतरराष्ट्रीय संपर्क क्षमता को मजबूत करने में मदद मिलने की उम्मीद है।

मौजूदा 9,000 फुट लंबे रनवे को बढ़ाकर 12,000 फुट करने का प्रस्ताव है, जिससे हवाई अड्डा बोइंग 777 और एयरबस ए350 जैसे वाइड-बॉडी विमानों के संचालन के योग्य हो जाएगा। लंबा रनवे बनने से कोयंबटूर से सीधे अंतर्राष्ट्रीय यात्री उड़ानें और लंबी दूरी की कार्गो सेवाएं संचालित की जा सकेंगी। इससे दूसरे हवाई अड्डों पर निर्भरता कम होगी और क्षेत्र में निर्यात, विनिर्माण तथा निवेश को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। हवाई अड्डा विस्तार परियोजना के लिए पहले चरणों में लगभग 2,200 करोड़ रुपये का आवंटन किया जा चुका है और परियोजना के लिए आवश्यक अधिकांश भूमि का अधिग्रहण सरकार द्वारा पहले ही किया जा चुका है। हालांकि, अधिकारियों के अनुसार परियोजना को पूरा करने के लिए अभी भी अतिरिक्त सात एकड़ भूमि की आवश्यकता है और राजस्व विभाग भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी रखे हुए है। अधिग्रहित भूमि पर हवाई अड्डे की परिधि दीवार का निर्माण हाल ही में शुरू किया गया था, लेकिन आसपास के गांवों में रहने वाले किसानों और स्थानीय निवासियों के विरोध के कारण काम रुक गया।

महिंद्रा नए मॉडल, बीई 07 को लॉन्च करने के लिए तैयार

» नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई ।

देसी कार निर्माता कंपनी महिंद्रा अपनी इलेक्ट्रिक एसयूवी रेंज को और मजबूत करने की तैयारी कर रही है। महिंद्रा कंपनी अपने नए मॉडल, बीई 07 को लॉन्च करने के लिए तैयार है। पहली बार एक कांसेप्ट के रूप में पेश की गई यह गाड़ी अब प्रोडक्शन के बेहद करीब लग रही है। हालांकि, कार पूरी तरह से कवर थी, लेकिन इसके आकार और लुक को देखकर अंदाजा लगाया जा सकता है कि यह बाजार में मौजूद कई बड़ी इलेक्ट्रिक गाड़ियों को कड़ी टक्कर देगी।

यह नई इलेक्ट्रिक एसयूवी महिंद्रा के पोर्टफोलियो में पहले से मौजूद बीई 6 के ऊपर पोजिशन की जाएगी। टेस्टिंग के दौरान दिखे मॉडल से साफ पता चलता है कि इसका आकार बीई 6 से काफी बड़ा है। कंपनी ने इसे एक पारंपरिक एसयूवी का डिजाइन दिया है, जो उन ग्राहकों को काफी पसंद आ सकता है जो आधुनिक तकनीक और दमदार परफॉर्मेंस चाहते हैं। इसके सीधे और ऊंचे डिजाइन की वजह से रोड प्रेजेंस काफी शानदार होने वाली है। गाड़ी के फ्रंट लुक की बात करें तो, भारी कैमफ्लाज के कारण डिटेल्स पूरी तरह साफ नहीं हैं। हालांकि, उम्मीद है कि इसमें महिंद्रा की सिग्नेचर सी-शेप वाली एलईडी डे टाइम रनिंग लाइट्स देखने को मिलेंगी। इसके ठीक नीचे हेडलैंप्स दिए जा सकते हैं। गाड़ी का फ्रंट बम्पर काफी मस्कुलर नजर आ रहा है, जिसमें नीचे की तरफ एयर इनटेक्स दिए गए हैं। साइड प्रोफाइल पर नजर डालें तो इसमें फ्लश-फिटिंग पॉप-आउट डोर हैंडल्स और बड़े अलॉय व्हील्स देखने को मिलते हैं।

इसके अलावा गाड़ी में बिना फ्रेम वाले दरवाजे दिए गए हैं। कंपनी ने अभी तक इसके इंटीरियर का खुलासा नहीं किया है। माना जा रहा है कि बीई 07 में महिंद्रा का नया प्रीमियम ईवी केबिन थीम मिलेगा। इसके डैशबोर्ड पर कई बड़ी स्क्रीन्स देखने को मिल सकती हैं। फीचर्स के तौर पर इसमें कनेक्टेड कार टेक्नोलॉजी, वेंटिलेटेड फ्रंट सीट्स, डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल और 360-डिग्री कैमरा मिल सकता है। इसके अलावा वायरलेस स्मार्टफोन कनेक्टिविटी, पैनोरमिक ग्लास रूफ और एक प्रीमियम ऑडियो सिस्टम भी इसका हिस्सा होंगे। पावरट्रेन की बात करें तो इसमें 59 केडब्ल्यूएच, 70 केडब्ल्यूएच और 79 केडब्ल्यूएच के बैटरी पैक के विकल्प मिल सकते हैं। गाड़ीवाड़ी के अनुसार, यह कार सिंगल चार्ज में करीब 600 किलोमीटर तक की रेंज दे सकती है।

हिंदुस्तान जिंक की 5,000 करोड़ के पूंजीगत निवेश की योजना

नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई । वेदांता समूह की कंपनी हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड (एचजेडएल) चालू वित्त वर्ष में करीब 50-60 करोड़ अमेरिकी डॉलर (लगभग 5,000 करोड़ रुपये) का पूंजीगत निवेश करने पर विचार कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस निवेश का लगभग 80 प्रतिशत हिस्सा पहले से चल रही परियोजनाओं पर खर्च किया जाएगा, जबकि 20 प्रतिशत राशि नई परियोजनाओं के लिए रखी गई है, जिनकी घोषणा जल्द की जाएगी। उन्होंने बताया कि समूह की कुल परियोजना क्षमता 10 लाख टन है, जिसमें से 2.5 लाख टन (25 प्रतिशत) क्षमता को पहले ही 12,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ मंजूरी मिल चुकी है। इनमें खनन और खनिजीकरण से जुड़े कार्य शामिल हैं। मिश्रा के अनुसार, खनन संबंधी उपकरणों के ऑर्डर दिए जा चुके हैं और स्मेल्टर का निर्माण कार्य शुरू हो गया है, जबकि मिलिंग और कन्संट्रेट से जुड़े ऑर्डर अभी जारी होने बाकी हैं। उन्होंने कहा कि शेष 6.5 लाख टन क्षमता के विस्तार के लिए भी लगभग इसी अनुपात में निवेश किया जाएगा।

चालू वित्त वर्ष में टाटा टेक्नोलॉजीज को बड़ी छलांग की उम्मीद

नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई । वैश्विक उत्पाद इंजीनियरिंग और डिजिटल सेवा कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज को भरोसा है कि चालू वित्त वर्ष 2026-27 उसके लिए 'विकास का बड़ा साल' साबित होगा। कंपनी के एक मुख्य अधिकारी ने कहा कि दुनिया भर की वाहन विनिर्माता कंपनियां नए उत्पादों के विकास में निवेश बढ़ा रही हैं और अधिक कार्य बाहरी कंपनियों को सौंप रही हैं, जिसका सीधा लाभ उन्हें मिल रहा है। अधिकारी ने एक साक्षात्कार में बताया कि कंपनी ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कई पूर्ण वाहन कार्यक्रम परियोजनाएं हासिल की हैं। इनमें टेनेको के साथ 10 करोड़ अमेरिकी डॉलर का अनुबंध, एक जापानी ओईएम से पूर्ण वाहन इंजीनियरिंग और एक यूरोपीय लक्जरी वाहन निर्माता के साथ बहुवर्षीय समझौता शामिल है। उन्होंने मजबूत दो अंक की वार्षिक वृद्धि के लक्ष्य पर विश्वास व्यक्त किया। उनके अनुसार वाहन विनिर्माता अब ब्रांड से जुड़े मुख्य क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, शेष इंजीनियरिंग कार्य विशेषज्ञ कंपनियों को सौंप रहे हैं।

ईंधन महंगा होने से चमकी मारुति की सीएनजी बिक्री, 9 लाख वाहन बेचने का लक्ष्य

नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई । देश की सबसे सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) ने चालू वित्त वर्ष में करीब नौ लाख सीएनजी वाहन बेचने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। कंपनी का मानना है कि पश्चिम एशिया में जारी युद्ध के कारण ईंधन की कीमतों में हुई बढ़ोतरी ने सीएनजी वाहनों की मांग को तेजी से बढ़ाया है, जिससे उनके बिक्री आंकड़ों में उछाल देखने को मिला है। मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कंपनी ने विभिन्न मॉडल श्रेणियों में 2.2 लाख सीएनजी वाहन बेचे हैं, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 58 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पश्चिम एशिया युद्ध के बाद ईंधन के दाम बढ़ने से सीएनजी वाहनों की मांग में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने सात लाख से अधिक सीएनजी वाहन बेचे थे।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

द्वारका सुरंग परियोजना से दिल्ली में कनेक्टिविटी को मिलेगी और रफ्तार

» **नयी दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई ।**

सरकार ने कहा है कि राष्ट्रीय राजधानी में 8.1 किमी लंबी छह लेन की द्वारका सुरंग परियोजना से दिल्ली की कनेक्टिविटी को नया स्वरूप मिलेगा और हवाई अड्डे, द्वारका, गुरुग्राम तथा दक्षिण दिल्ली के बीच आवागमन पहले से तेज एवं सुगम हो सकेगा।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) लगभग 6,969.67 करोड़ रुपये की लागत से इस परियोजना का निर्माण करेगा। परियोजना के तहत द्वारका एक्सप्रेसवे पर शिव मूर्ति इंटरचेंज को वसंत कुंज के नेल्सन मंडेला मार्ग से जोड़ा जायेगा। इसमें 3.14 किलोमीटर लंबी ट्विन-ट्यूब सुरंग होगी, जिसमें 1.98 किलोमीटर हिस्सा सदर्न रिज के नीचे से गुजरेगा, जिससे पर्यावरणीय प्रभाव को न्यूनतम रखा जा सकेगा। मंत्रालय के अनुसार इस कॉरिडोर के बनने से धौला कुआं, महिपालपुर, रंगपुरी और छतरपुर जैसे भीड़भाड़ वाले मार्गों पर दबाव कम होगा तथा इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों, पर्यटन स्थलों और भारत मंडपम सहित महत्वपूर्ण स्थानों तक पहुंच आसान होगी।

संक्षिप्त खबरें

चोरी की बाइक और मोबाइल फोन के साथ दो गिरफ्तार

साहिबाबाद, यूटर्न/ 26 जुलाई । टीलामोड़ पुलिस ने चेकिंग के दौरान मोबाइल फोन छिनैती की वारदातों को अंजाम देने वाले दो युवकों को गिरफ्तार किया है। आरोपी टीलामोड़ के भारत सिटी सोसायटी निवासी रवि राणा और भोपुरा निवासी रोहित हैं। दोनों के पास से चोरी की बाइक और एक मोबाइल फोन बरामद हुआ है। पुलिस की पूछताछ में दोनों ने चोरी और छिनैती करने की बात स्वीकार की है। एसीपी शालीमार गार्डन अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 24 जुलाई की रात थाना पुलिस की टीम चेकिंग कर रही थी। तभी एक बाइक पर आ रहे दो लोगों को चेकिंग के लिए रोका। दस्तावेज मांगने पर दोनों नहीं दिखा पाए। पूछताछ करने पर चालक रवि राणा ने बताया कि बाइक उन्होंने दिल्ली से कुछ दिन पहले चोरी की थी। जांच करने पर पता चला कि बाइक दिल्ली के करावल नगर स्थित सोनिया विहार निवासी दीपक सिंह की थी। वहीं तलाशी लेने पर रोहित के पास से एक मोबाइल फोन बरामद हुआ। आरोपियों ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि मोबाइल फोन करीब 15 दिन पहले उन्होंने भोपुरा इलाके में ऑटो रिक्शा से जा रहे व्यक्ति के हाथ से छीना था। एसीपी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि पूछताछ के बाद दोनों आरोपी 25 जुलाई को कोर्ट में पेश किए गए।

शाहपुर बम्हैटा में अवैध निमार्णों पर चला जीडीए का बुलडोजर

गाजियाबाद, यूटर्न/ 26 जुलाई । शाहपुर बम्हैटा में शनिवार को अवैध निमार्णों पर जीडीए का बुलडोजर चला। जीडीए के अपर सचिव प्रदीप कुमार सिंह ने बताया कि खसरा संख्या 1898 पर लगभग 5000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में पहले से बनी चहारदीवारी के अंदर लगभग 200 वर्ग मीटर में लोहे के पाइप खड़े कर टीन शेड, एक कमरे का निर्माण किया गया था। इस निर्माण के खिलाफ वाद दायर किया गया था। वहीं, अर्बन होम के पीछे, आदित्य वर्ल्ड सिटी गाजियाबाद में लगभग 1000 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में चिकन प्वाइंट की दुकानें और वेयर हाउस का निर्माण कर पास में ही रिक्त भूमि पर निर्माण किया जा रहा था।

पानीपत जिला लेबर प्रसंघ में लेबर फेड हरियाणा के चेयरमैन श्री देवेंद्र पांचाल का हुआ भव्य स्वागत व अभिनन्दन

» **पानीपत, यूटर्न/ 26 जुलाई ।**

पानीपत जिला सहकारी श्रम एवं निर्माण संघ (लेबर फेड), मॉडल टाउन, पानीपत कार्यालय में हरियाणा राज्य सहकारी श्रम एवं निर्माण संघ (लेबर फेड), हरियाणा के माननीय चेयरमैन श्री देवेंद्र पांचाल के आगमन पर भव्य स्वागत एवं अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

स्वागत एवं अभिनन्दन कार्यक्रम की अध्यक्षता करण सिंह पसीना ने की, और मंच का संचालन विक्की शर्मा ने किया। स्वागत व अभिनन्दन कार्यक्रम के अवसर पर जिला लेबर फेड, पानीपत के चेयरमैन श्री करण सिंह (पसीना), वाइस चेयरमैन श्री सोम प्रकाश (विक्की शर्मा), श्री मनोज गोयत (निदेशक), श्री जसबीर सिंह उंटला (निदेशक), श्री लहना सिंह (निदेशक), श्रीमती रजवंती जागलान (निदेशक), श्रीमती दयावती (निदेशक) सहित निदेशक मंडल के सदस्यों एवं कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ एवं स्मृति-चिन्ह भेंट कर हार्दिक स्वागत किया।

अपने संबोधन में श्री देवेंद्र पांचाल ने कहा कि हरियाणा सरकार सहकारिता आंदोलन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक श्रम एवं निर्माण सहकारी समितियों को अधिक से अधिक सरकारी कार्य उपलब्ध करवाने, उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत करने तथा युवाओं को सहकारिता से जोड़ने के लिए लेबर फेड हरियाणा निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने जिला लेबर फेड, पानीपत द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए भविष्य में भी पूरी निष्ठा एवं पारदर्शिता के साथ कार्य करने का आ'ान किया।

एक शाम चिराग-ए-सुखन डॉ. एस के शर्मा के नाम कार्यक्रम आयोजित

» **निर्मल सिंह विर्क**

पानीपत, यूटर्न/ 26 जुलाई । मन की उड़ान साहित्यिक संस्था (रजि.) करनाल हरियाणा द्वारा करनाल क्लब अभिनंदन सभागार में वरिष्ठ शायर एवं संस्था संरक्षक रहे डॉ एस के शर्मा को समर्पित एक शाम चिराग-ए-सुखन डॉ एस के शर्मा के नाम से साहित्यिक कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार डॉ महावीर प्रसाद शास्त्री ने की, मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकारा अंजु शर्मा रही, विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. अशोक भाटिया व प्रेम पाल सागर रहे। विशेष अतिथि डॉ पहूप सिंह एवं पूर्व जिला बाल कल्याण समिति अध्यक्ष सुरेन्द्र सिंह मान व समाजसेवी परमिंदर पाल सिंह रहे।कार्यक्रम डॉ महावीर प्रसाद शास्त्री के आशीर्वचनों से शुरू हुआ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ महावीर प्रसाद शास्त्री ने जिसे शिद्दत से चाहा मैंने मुझसे दूर हो गई, लगा यूं जिन्दगी मेरी बड़ी बेनूर हो गई, मुख्य अतिथि अंजु शर्मा ने कहा बड़े शौक से सुन रहा था जमाना, तुम्ही सौ गए दास्तां कहते कहते, विशिष्ट अतिथि डॉ अशोक भाटिया ने कहा पानी उतना ही बचा, जितना मनुष्य की आंखों में बच रहा, वरिष्ठ कवि प्रेम पाल सागर ने कहा तेरा जीवन दिव्य उजियारा गंगा सी पावन धार बने, अग्नि से झुलसी धरती पर सावन की फुहार बने, विशेष अतिथि डॉ पहूप सिंह, सुरेन्द्र सिंह मान, परमिंदर सिंह पाल सिंह ने भी डॉ एस के शर्मा के जीवन पर प्रकाश डाला। वरिष्ठ शायर इकबाल पानीपती ने कहा नकूश याद के वो खुश खिसाल छोड़ गया, हमारे चेहरे पे रंग ए मलाल छोड़ गया,कवि गुरमुख सिंह वड़ैच ने पढ़ा हाथ जो फैले हुए हैं, अपने हक के वास्ते,एक दिन बन जाएंगे सब, मुठ्ठियां तुम देखना, संस्था संस्थापक रामेश्वर देव ने कहा. सेवा करना काम था उनका,शहर में चर्चा आम था उनका,संस्था अध्यक्ष कवयित्री पूनम गोयल ने कहा महफिलों की शान था मेरा भाई,अदब की पहचान था मेरा भाई, कवि नरेश लाभ ने कहा खिलती जहां प्रेम की कलियां, वहीं कृष्ण बस्ते,सुखमय पल जीवन का होता, कष्ट सभी मिटते, कवि राजकुमार मायूस ने कहा जब कभी भी शायरी की महफिल सजाई जायेगी,आप की कमी हर किसी का दिल दुखा जायेगी, कवयित्री अंजु चौधरी अनु ने कहा दिल के आंगन में आज भी , कुछ अधूरी आहटें होती हैं, जैसे कोई नाम होंठों तक आकर हर बार चुप रह जाता है, कवि राधेश्याम भारतीय ने कहा बाहें पसारे खड़ा है सागर,लिये हार हाथों में खड़ा है सागर,इतनी खुशी क्या कम है मेरे लिये, मुझे लेने खुद आया है सागर, वरिष्ठ शायर हरबंस पथिक ने कहा जख्मों के निशां लिये फिरते हैं,दिल के टूटे अरमां लिये फिरते हैं,शायरा डॉ वनीता चौपड़ा ने कहा आज वनीता श्याम से पूछो, क्यों आखिर बरसाना छोड़ा, कवयित्री शशी बाला शर्मा ने कहा एक मां बाप को बेटे का रिश्ता आया है,घर में असीम आनन्द छाया है, कवयित्री रोजलीन ने कहा सच ना कहना झूठो की शान में दखल न देना, मुंह ना खोलो जज्बातों में आकर, कहीं गिरे न तुम पर आकर, युवा शायर अशोक मलंग ने कहा रौनक चली गई है..

ग्रेटर नोएडा में एसटीपी टैंक की सफाई के दौरान हादसा, सफाई कर्मचारी और सिक्योरिटी गार्ड की मौत

» **ग्रेटर नोएडा, यूटर्न/ 26 जुलाई**

उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में देर रात एक सफाई कर्मचारी समेत दो लोगों की मौत हो गई।एसटीपी टैंक की सफाई के दौरान दोनों लोग बेहोश हुए थे। अस्पताल ले जाने के बाद डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

शुरूआती जानकारी के अनुसार, ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क थाना क्षेत्र में सेक्टर-150 स्थित एल्डिको सोसाइटी में यह घटना हुई। बताया गया कि सफाई कर्मचारी शशिकांत शर्मा सोसाइटी में एसटीपी टैंक की सफाई कर रहा था।

इस दौरान वो बेहोश हो गया। सफाई कर्मचारी को बचाने के लिए एक सिक्योरिटी गार्ड नीचे उतरा, जो बाद में खुद भी बेहोश हो गया।

इस घटना से सोसाइटी में हड़कंप मच गया। पुलिस को भी मामले की सूचना दी गई। मौके पर फायर टीम बुलाई गई, जिसके बाद दोनों को बाहर निकाला गया। बाद में सफाई कर्मचारी शशिकांत शर्मा और सिक्योरिटी गार्ड आकाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिन्हें डॉक्टरों ने मृत घोषित किया। फिलहाल, पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। इससे पहले, नॉलेज पार्क इलाके में स्थित कला धाम सोसाइटी में पानी से भरे गड्ढे में गिरने से छह साल के बच्चे की मौत हो गई।

मृतक बच्चे की पहचान अव्यान सूर्य के रूप में हुई, जो केंद्रीय विद्यालय के वाइस प्रिंसिपल सिवान यादव के बेटे थे।पुलिस और स्थानीय निवासियों के मुताबिक, बोरवेल के काम के लिए लगभग 15 फीट गहरा गड्ढा खोदा गया था और हाल ही में हुई बारिश के बाद वह बारिश के पानी से भर गया था।

लुवास में श्वान के लिए डायलिसिस सुविधा का शुभारंभ

गंभीर रूप से बीमार पालतु कुत्तों को मिल सकेगा नया जीवन

» **हरियाणा, यूटर्न/ 26 जुलाई ।**

लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास), हिसार ने पशु चिकित्सा सेवाओं में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए अपने वेटरनरी क्लीनिकल कॉम्प्लेक्स में डायलिसिस सुविधा की शुरूआत कर दी है। यह अत्याधुनिक सुविधा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. विनोद कुमार वर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रारंभ की गई है। इस पहल से अब किडनी संबंधी गंभीर बीमारियों से ग्रसित पालतू पशुओं के उपचार में नई उम्मीद जगी है।

विश्वविद्यालय के वेटरनरी क्लीनिकल कॉम्प्लेक्स में विभागाध्यक्ष डॉ. ज्ञान सिंह के निर्देशन में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम द्वारा फिलहाल कुत्तों के लिए डायलिसिस सेवा शुरू की गई है। वर्तमान में केवल उन्हीं मरीज पशुओं का डायलिसिस किया जाएगा जो चिकित्सकीय परीक्षण के बाद इस उपचार के लिए उपयुक्त पाए जाएंगे।

डायलिसिस एक अत्याधुनिक चिकित्सा प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से किडनी के सही ढंग से कार्य न करने पर शरीर से विषैले तत्वों एवं अतिरिक्त द्रव को मशीन की सहायता से बाहर निकाला जाता है। इससे गंभीर किडनी रोगों से पीड़ित पशुओं के जीवन को बचाने और उनकी स्वास्थ्य स्थिति में सुधार लाने में महत्वपूर्ण सहायता मिलती है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि यह सुविधा अभी प्रारंभिक चरण में पालतु कुत्तों के लिए उपलब्ध कराई गई है। भविष्य में आवश्यक संसाधनों एवं तकनीकी विस्तार के साथ इसे अन्य पशुओं के लिए भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे अधिक से अधिक पशुपालकों को इस उन्नत चिकित्सा सुविधा का लाभ मिल सके। पशु चिकित्सालय में इस सुविधा को शुरू करने में डायलिसिस यूनिट के इंचार्ज डॉ. तरुण कुमार व डॉ नीलेश सिंधु ने अग्रणिय भूमिका निभाई। इसमें वेटरनरी क्लीनिकल कॉम्प्लेक्स के अन्य चिकित्सकों, पीजी छात्र (डॉ अरुणा, डॉ रेमन मोर , डॉ निखिल मुदगिल, डॉ प्रज्वल सिंह कोतवाल, डॉ सुखबीर, डॉ रत्नेश्वर व अन्य इंटर्न) तकनीकी एवं सहायक स्टाफ का महत्वपूर्ण योगदान रहा। पूरी टीम ने समन्वित प्रयासों से इस आधुनिक सेवा को पशुपालकों के लिए उपलब्ध कराया है। गौरतलब है की लुवास की टीम ने गड़वासु लुधियाना में हाल में नेफ्रोलॉजी सेक्शन के इंचार्ज डॉ रणधीर सिंह जी के मार्गदर्शन में डायलिसिस की प्रायोगिक जानकारी एवं प्रशिक्षण प्राप्त किया लुवास पशु चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ राजेश खुराना ने क्लिनिकल स्टाफ को बधाई दी और कहा कि यह पहल न केवल हरियाणा बल्कि आसपास के राज्यों के पशुपालकों के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगी।

यूटर्न टाइम
THE GOOD, BAD & UGLY OF INDIA

एक्ट्रेस ने खोला फिल्म इंडस्ट्री का राज

साउथ में बंदिशें, हिंदी में आजादी

तमन्ना भाटिया

साउथ और हिंदी सिनेमा दोनों जगह अपनी एक्टिंग का लोहा मनवा चुकीं एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने हाल ही में फिल्म इंडस्ट्री के काम करने के तरीके और एक्ट्रेसेस को मिलने वाले रोल्स पर बेबाक राय रखी है. तमन्ना का मानना है कि हिंदी सिनेमा एक्टर्स को अपनी पसंद के हिसाब से प्रयोग करने का एक बेहतरीन स्पेस देता है, जबकि साउथ इंडस्ट्री में कामर्शियल स्तर पर अपनी जगह बनाए रखने के लिए कुछ खास पैमानों और स्टार क्वालिटी पर ज्यादा जोर दिया जाता है. Forbes को दिए इंटरव्यू में तमन्ना भाटिया ने कहा, 'हिंदी सिनेमा कलाकारों को यह सहूलियत देता है कि वे तय कर सकें कि उन्हें किस तरह का काम करना है. यहां ऐसे कलाकारों के लिए भी काफी संभावनाएं हैं जो पारंपरिक 'गाना-और-डांस' वाले फॉर्मेट में फिट नहीं बैठते या उसमें बहुत सहज नहीं हैं. जब ऐसे एक्टर्स कैरेक्टर-ओरिएंटेड रोल्स निभाते हैं, तो उनकी एक्टिंग निखरकर सामने आती है और दर्शक उसे सराहाते भी हैं. अपने एक्सपीरियंस को शेयर करते हुए तमन्ना ने बताया कि जब उन्होंने साउथ इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा, तब उन्हें वहां के काम करने के नजरिए की समझ आई. लोग इसे 'पुरुष-प्रधान सोच' या एक खास दृष्टिकोण का नाम दे सकते हैं, लेकिन कामर्शियल फिल्मों में सफल होने के लिए वहां एक अलग तरह की स्टार क्वालिटी और स्क्रीन प्रेजेंस की जरूरत होती है. तमन्ना ने साफ किया कि यह उनका अपना पर्सनल एक्सपीरियंस है, जो हर किसी के लिए अलग हो सकता है. हालांकि, जो एक्ट्रेसेस 10 से 15 सालों से इंडस्ट्री में टिकी हुई हैं, उन्हें अपनी पहचान बनाए रखने के लिए परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड रोल्स और कामर्शियल डांस-सॉन्ग वाले रोल्स के बीच एक संतुलन बनाकर चलना पड़ता है. बता दें कि एक्ट्रेस तमन्ना भाटिया ने कई बॉलीवुड फिल्मों में काम किया है. लेकिन फिल्म 'स्त्री 2' का आइटम सॉन्ग 'आज की रात' उनके करियर के सबसे ब्लॉकबस्टर गानों में से है. इस गाने को इतना पसंद किया जाता है कि अब तक भी लोग इसे लगातार सुन रहे हैं. यूट्यूब पर इस गाने ने रिकॉर्ड तोड़ व्यूज पा लिए हैं. 1 बिलियन से ज्यादा व्यू इस यूट्यूब पर मिल है.

एक्ट्रेसेस 10 से 15 सालों से इंडस्ट्री में टिकी हुई हैं, उन्हें अपनी पहचान बनाए रखने के लिए परफॉर्मेंस-ओरिएंटेड रोल्स और कामर्शियल डांस-सॉन्ग वाले रोल्स के बीच एक संतुलन बनाकर चलना पड़ता है.

जेनिफर विंगेट दुल्हन बन हुई भावुक

टीवी अभिनेत्री जेनिफर विंगेट ने हाल ही में अपने बिजनेसमैन बॉयफ्रेंड विलियम इस्माइल के साथ दूसरी शादी कर ली है। उन्होंने हाल ही में अपनी शादी की कुछ अनदेखी और भावुक कर देने वाली तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं, जो तेजी से वायरल हो रही हैं। इन तस्वीरों में जेनिफर शादी की खुशी में भावुक दिखीं, वहीं दुल्हन के रूप में उनके आंसू भी छलक आए, जिन्हें वह पोंछती नजर आईं। कई तस्वीरों में वह अपने पति विलियम इस्माइल के साथ रोमांटिक अंदाज में खूबसूरत पल बिताती हुई दिखाई दे रही हैं। जेनिफर ने अपनी शादी के खास मौके पर बेहद खूबसूरत सफेद वेडिंग गाउन पहना, जिसमें उनका ब्राइडल लुक बेहद आकर्षक नजर आया। गाउन पर शादी की तारीख भी विशेष अंदाज में शामिल करवाई गई थी। इन तस्वीरों में जेनिफर विंगेट और विलियम इस्माइल की खूबसूरत केमिस्ट्री साफ देखने को मिल रही है। एक फोटो में दोनों एक-दूसरे को किस करते हुए नजर आए, वहीं दूसरी तस्वीर में विलियम अपनी पत्नी जेनिफर को वेडिंग रिंग पहनाते दिखाई दिए। कपल की हर तस्वीर में उनकी खुशी और प्यार साफ झलक रहा है।

तिलक टी20 में सातवें सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बने

धोनी और रैना को पीछे छोड़ा

» **हरारे, यूटर्न/ 26 जुलाई ।**

मध्यक्रम के भरोसेमंद बल्लेबाज तिलक वर्मा ने मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में अर्धशतक लगाने के साथ ही एक बड़ी उपलब्धि भी अपने नाम दर्ज की है। तिलक की इस पारी से भारतीय टीम सीरीज में 90 रनों से जीत हासिल करने में सफल रही। तिलक ने अपनी इस पारी से पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी और सुरेश रैना के रिकार्ड भी तोड़ दिये। इस ऐतिहासिक उपलब्धि के साथ ही तिलक अब टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम की ओर से सातवें सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 में तिलक ने 29 गेंदों में 5 चौकों और 3 छक्कों की सहायता से नाबाद 60 रन बनाये। इससे अब उनके टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर के 58 मैचों की 55 पारियों में कुल 1634 रन हो गये हैं। इस दौरान उनका औसत 44.16 रन रहा जबकि स्ट्राइक रेट 145.37 का रहा है। इससे तिलक की आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा लगाया जा सकता है। तिलक के नाम दो शतक और नौ अर्धशतक हैं और उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 120 रन है। इस तरह उन्होंने धोनी और रैना के साथ ही ईशान किशन को भी पीछे छोड़ दिया है।

पूर्व कप्तान धोनी ने अपने करियर में 98 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 37.60 की औसत और 126.13 के स्ट्राइक रेट से 1617 रन बनाए थे, जिसमें उनके दो अर्धशतक शामिल थे। वहीं रैना ने भारतीय टीम के लिए 78 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 29.18 की औसत और 134.87 के स्ट्राइक रेट से 1605 रन बनाए थे। रैना के नाम शतक और पांच अर्धशतक भी हैं।

गौरतलब है कि टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम के लिए सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में, कप्तान रोहित शर्मा 4231 रनों के साथ नंबर एक हैं। वहीं विराट कोहली 4188 रनों के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हैं। इन दोनों ने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है।

अभिषेक ने तीन विकेट लेकर बनाया रिकार्ड

» **हरारे, यूटर्न/ 26 जुलाई ।**

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने यहां मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे टी20 मैच क्रिकेट मैच में एक नया रिकार्ड अपने नाम कर लिया। अभिषेक इस मैच में बल्लेबाजी में तो असफल रहे पर गेंदबाजी में उन्होंने कमाल कर दिया। अभिषेक ने 2.5 ओवर में केवल 17 रन देकर 3 विकेट ले लिये। वहीं इससे पहले बल्लेबाजी के दौरान वह 8 गेंद में 2 चौके लगाकर केवल 8 रन ही बना पाये थे।

अभिषेक अब एकमात्र ऐसे सलामी बल्लेबाज बन गये हैं जिन्होंने गेंदबाजी में 3 विकेट लिए हैं। अभिषेक के अलावा कई अन्य सलामी बल्लेबाज टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऐसा नहीं कर पाया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ मुकाबले में अभिषेक की घातक गेंदबाजी से भारतीय टीम ने ये मैच 90 रनों से जीतकर सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल कर ली हैं। इस मैच में मेजबान टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया था।

हारने के बाद टीम इंडिया को पहले बल्लेबाजी का न्योता मिला था. बल्लेबाजी में भारतीय टीम की शुरूआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक के अलावा वैभव सूर्यवंशी भी 9 गेंद में केवल 20 रन ही बना पाये पर मध्यक्रम ने अच्छी बल्लेबाज कर पारी संभाली। ईशान किशन ने 44 गेंद में 81 रनों की पारी खेली जबकि तिलक वर्मा ने 29 गेंद में नाबाद 60 रन बनाए। वहीं कप्तान श्रेयस ने 25 रन बनाये। इससे भारतीय टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 219 रन बनाये। इसके जवाब में जिम्बाब्वे की टीम 17.5 ओवर में 129 रन ही बना पायी। भारतीय टीम की ओर से अभिषेक के 3 विकेट के अलावा यश ठाकुर और प्रिंस यादव ने 2-2 विकेट लिए।

पूर्व तेज गेंदबाज मखाया एंटिनी का फटे जूतों से शुरू हुआ था सफर

नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज मखाया एंटिनी के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण की प्रेरणादायक मिसाल है। मखाया एंटिनी ने कठिन परिस्थितियों को पीछे छोड़कर अपनी मेहनत और प्रतिभा के दम पर दुनिया में पहचान बनाई। बेहद साधारण परिवार में जन्मे एंटिनी ने बचपन में गरीबी के बावजूद अपने संघर्ष और लगन के बल पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 662 विकेट लेकर दक्षिण अफ्रीका के सबसे सफल तेज गेंदबाजों में अपनी जगह बनाई। मखाया एंटिनी ने वर्ष 1998 में दक्षिण अफ्रीका के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया। अपने करियर के दौरान उन्होंने टेस्ट, एकदिवसीय और टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मिलाकर 284 मैच खेले और कुल 662 विकेट हासिल किए। तेज रफ्तार, अनुशासित गेंदबाजी और निरंतर प्रदर्शन के कारण वे लंबे समय तक दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण की रीढ़ बने रहे। एंटिनी का बचपन पूर्वी केप प्रांत के छोटे से गांव मडिंगी में बीता। आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर होने के कारण उनके पास क्रिकेट खेलने के लिए न तो किट थी और न ही अच्छे जूते। बचपन में वह मवेशी चराने का काम करते थे और अक्सर नंगे पैर ही दौड़ते थे। जब उन्होंने स्थानीय स्तर पर क्रिकेट खेलना शुरू किया तो उन्हें केवल गेंदबाजी करने का मौका मिलता था। अभ्यास के दौरान कई बार उन्हें फटे हुए जूतों को तार से बांधकर खेलना पड़ता था, लेकिन उन्होंने कभी हार नहीं मानी।

पीओके में फिर बढ़ा तनाव, जेएएसी ने मुजफ्फराबाद मार्च का किया ऐलान

दो दिवसीय विरोध प्रदर्शन के बाद राजधानी कूच की तैयारी, पाकिस्तानी सुरक्षाबलों से तनाव बढ़ने की आशंका

» **मुजफ्फराबाद, यूटर्न/ 26 जुलाई ।**

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में एक बार फिर राजनीतिक और सामाजिक तनाव गहराने के संकेत मिल रहे हैं। जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने 26 और 27 जुलाई को दो दिवसीय विरोध प्रदर्शन और मुजफ्फराबाद तक लॉन्ग मार्च का ऐलान किया है। पिछले डेढ़ महीने से क्षेत्र में जारी आंदोलनों के बीच इस नई घोषणा ने एक बार फिर पाकिस्तान प्रशासन और प्रदर्शनकारियों के बीच टकराव की आशंकाएं बढ़ा दी हैं।

जेएएसी के अनुसार, आंदोलन का उद्देश्य विभिन्न शहरों में चल रहे धरना-प्रदर्शनों को एकजुट कर क्षेत्रीय राजधानी मुजफ्फराबाद तक पहुंचाना है। संगठन ने स्थानीय नागरिकों से बड़ी संख्या में इस अभियान में शामिल होने की अपील की है। अधिकार कार्यकर्ता उमर नजीर कश्मीरी और अधिवक्ता ख्वाजा मेहरान ने विशेष रूप से डड्याल में पूर्ण शटरडाउन और मीरपुर डिवीजन के लोगों से आंदोलन में सक्रिय भागीदारी का आ'ान किया है। नई रणनीति के तहत हाजीरा और अब्बासपुर सहित विभिन्न स्थानों पर चल रहे धरनों को अस्थायी रूप से स्थगित कर प्रदर्शनकारियों की ताकत को एकजुट किया जाएगा। पहले चरण में मीरपुर डिवीजन से प्रदर्शनकारियों के काफिले रवाना होंगे, जो रावलकोट में चल रहे धरने में शामिल होने के बाद मुजफ्फराबाद की ओर कूच करेंगे। आयोजकों का कहना है कि उनका उद्देश्य आर्थिक न्याय, प्रशासनिक जवाबदेही और स्थानीय लोगों के अधिकारों की रक्षा के लिए शांतिपूर्ण ढंग से अपनी मांगें उठाना है।

जेएएसी नेताओं ने प्रदर्शनकारियों से संयम बरतने की अपील करते हुए कहा है कि उनका किसी सुरक्षाकर्मी या सरकारी अधिकारी से शारीरिक टकराव करने का इरादा नहीं है। उनका कहना है कि आंदोलन पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा और इसका उद्देश्य केवल जनता की आवाज को सरकार तक पहुंचाना है।

सऊदी अरब के यमन हूती ठिकानों पर हमले से नई जंग का खतरा बढ़ा!

सना, यूटर्न/ 26 जुलाई । सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने यमन के हुदैदाह में हूतियों के सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए हैं। ये हमले लाल सागर में सऊदी से जुड़े जहाजों पर हूतियों के हमलों के जवाब में किए गए। सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल मल्की ने एक्स पर कहा कि होदैदाह प्रांत में आतंकवादी हूती मिलिशिया के वैध सैन्य ठिकानों के खिलाफ उचित सैन्य जवाबी कार्रवाई की। ये हमले तब हुए हैं, जब यमन के हूतियों ने इस हफ्ते लाल सागर से गुजर रहे सऊदी अरब के 2 तेल टैंकरों पर हमला किया था। सऊदी अरब ने इनमें से एक हमले की पुष्टि की है। हूतियों ने इसी हफ्ते कहा था कि वह लाल सागर में सऊदी अरब के खिलाफ नाकेबंदी करेंगे। इसके बाद सऊदी अरब ने सख्त जवाबी कार्रवाई की चेतावनी दी थी। वहीं, हूती संचालित टीवी ने बताया है कि सऊदी हमलों ने लाल सागर के इलाके वाले बंदरगाह शहर होदैदाह को निशाना बनाया है। सऊदी हमलों में होदैदाह शहर में सरकारी टेलीकॉम कंपनी की सुविधाओं को निशाना बनाया गया। इसने यह भी बताया कि सऊदी सेना ने यमन के पश्चिमी तट के पास स्थित कामरान द्वीप को निशाना बनाया। रिपोर्ट के मुताबिक यह भी कहा गया है कि हवाई यातायात को खुला रखने के लिए किसी भी एयरपोर्ट को निशाना नहीं बनाया। हालांकि, उन्होंने हूती विद्रोहियों पर सना इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेसन की इजाजत न देने का आरोप लगाया। इसके साथ ही चेतावनी दी कि सऊदी अरब अपने जहाजों और हितों की रक्षा के लिए जरूरी कदम उठाना जारी रखेगा। इन हमलों के बाद सऊदी अरब और यमन के हूतियों के बीच एक बार फिर से जंग शुरू होने का खतरा बढ़ गया है। साल 2022 में हूतियों और सऊदी अरब के बीच समझौते के बाद ज्यादातर बड़ी लड़ाई रुक गई थी। ताजा हमलें पिछले सालों में सऊदी गठबंधन सेना और हूतियों के बीच पहली घटना है।

अमेरिका में 'डंकी रूट' से प्रवेश करने वाले भारतीयों की संख्या में भारी कमी

वाशिंगटन, यूटर्न/ 26 जुलाई । अमेरिकी सीमा सुरक्षा एजेंसी (यूएस कस्टम्स एंड बॉर्डर प्रोटेक्शन - सीपीबी) द्वारा जारी किए गए हालिया आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में अवैध तरीके से प्रवेश करने की कोशिश करने वाले भारतीय नागरिकों की संख्या में पिछले तीन वर्षों के दौरान अभूतपूर्व कमी दर्ज की गई है। जारी आंकडों के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 के पहले आठ महीनों (अक्टूबर 2023 से मई 2024 तक) में भारतीय नागरिकों से जुड़े कुल 20,614 मामले दर्ज किए गए हैं। यह आंकड़ा वित्त वर्ष 2023 की समान अवधि की तुलना में लगभग 69 प्रतिशत कम है, जब ऐसे मामलों की संख्या 67,212 तक पहुंच गई थी। यह गिरावट एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है, खासकर उन अवैध मार्गों पर जिन्हें डंकी रूट के नाम से जाना जाता है।

रूस के हमलों से दहला यूक्रेन, खार्किव में ड्रोन स्ट्राइक से एक की मौत, नौ घायल

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई ।**

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने दावा कयिा कि रूस ने फिर शनविार रात बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं। इन हमलों में एक बार रहिायशी इमारतों को नशिाना बनाया गया है। हमलों में कई लोग घायल हुए हैं।

जेलेंस्की ने बताया कि यूक्रेन लगातार अपने सहयोगी देशों के साथ मिलकर हवाई रक्षा को मजबूत करने की कोशिश कर रहा है, ताकि ऐसे हमलों से लोगों की जान बचाई जा सके। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने सोशल मीडयिा प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लखिा, ''खार्किव में रिहायशी इमारतों पर हुए ड्रोन हमले के बाद मौके पर सभी जरूरी आपातकालीन सेवाएं तैनात कर दी गई हैं। दुख की बात है कि इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो बच्चों समेत नौ लोग घायल हुए हैं। मेरी संवेदनाएं उनके परिवारों और अपने प्रियजनों के साथ हैं।''

जेलेंस्की ने बताया कि क्रिवी रीह में एक आम बिल्डिंग सप्लाई हाइपरमार्केट में लगी आग को बुझाने का काम राज्य आपातकालीन सेवा की टीमें लगातार कर रही हैं।

जेलेंस्की ने पोस्ट में कहा, ''कुल मिलाकर, शनविार रात रूस ने यूक्रेन पर आठ मिसाइलें और अलग-अलग तरह के 136 ड्रोन दागे। इनमें से कई को मार गिराया गया, लेकिन अफसोस कि सभी को नहीं रोका जा सका।''

जेलेंस्की ने कहा कि खिेरसॉन, डोनेट्स्क, नीपर, खार्किव, सूमी, ओडेसा, मायकोलाइव, जापोरिज्जिया और चेर्निहाइव क्षेत्रों के साथ-साथ कीव भी हमलों का निशाना बना। राजधानी कीव पर बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया गया, जिसमें तीन लोग घायल हुए। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने बताया कि पूरे हफ्ते में रूस ने यूक्रेन के खिलाफ लगभग 1,700 ड्रोन, 1,630 से जयादा गाइडेड एरियल बम और अलग-अलग तरह की 95 मिसाइलों का इस्तेमाल किया। इनमें आधे से ज्यादा बैलिस्टिक मिसाइलें थीं। उन्होंने बताया कि हिर दिन हम अपने साझेदार देशों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, ताकि हमारे सैनिकों के पास इन हमलों का मुकाबला करने के लिए जरूरी साधन मौजूद हों। हमें बैलिस्टिक हमलों के जरिए रूस जो बढ़त हासिल करना चाहता है, उसे रोकना होगा।

जेलेंस्की ने बताया कि इसी वजह से यह बहुत जरूरी है कि एंटी-बैलिस्टिक रक्षा सिस्टम के पैकेज समय पर पहुंचे। इस समय हर इंटरसेप्टर मिसाइल सचमुच लोगों की जान बचाने में मदद कर रही है, अगर वह यूक्रेन के रक्षा सिस्टम में मौजूद है, न कि हमारे साझेदारों के गोदामों में पड़ी है।

संक्षिप्त खबरें

ट्रंप ने ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान को टाला

न्यूयॉर्क, यूटर्न/ 26 जुलाई । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पश्चिम एशिया में वायु रक्षा मिसाइलों और इंटरसेप्टर की कमी के कारण ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान को फिलहाल टाल दिया है। न्यूयॉर्क टाइम्स ने सूत्रों के हवाले से यह रिपोर्ट दी गयी है। इससे पहले, एक्सिओस ने सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट दी थी कि अमेरिकी सेना ईरान के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य कार्रवाई फिर से शुरू करने की योजना बना रही थी, लेकिन ट्रंप ने अभी तक इसके लिए कोई आदेश जारी नहीं किया था। पोर्टल के अनुसार शुक्रवार को ट्रंप ने ईरान पर कोई नया हमला न करने का आदेश दिया, जिससे 13 दिनों से चल रहे हमलों का सिलसिला बंद हो गया। अखबार ने कहा कि ट्रंप ने ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियान को तेजी से बढ़ाने की योजना कम से कम अभी के लिए टाल दी है।

यूरोपीय नीति से परमाणु ताकतों के बीच सीधी टक्कर का खतरा-गैतिलोव

जिनेवा, यूटर्न/ 26 जुलाई । संयुक्त राष्ट्र में रूस के स्थायी प्रतिनिधि गेनाडी गैतिलोव ने कहा है कि यूरोपीय देशों की परमाणु हथियार नीतियां उनकी सुरक्षा में कोई योगदान नहीं देतीं, बल्कि परमाणु ताकतों के बीच सीधी टक्कर का खतरा पैदा करती हैं। श्री गैतिलोव ने जिनेवा में आरआईए नोवोस्ती को यह बात कही है। उन्होंने फ्रांस और ब्रिटेन द्वारा अपनी परमाणु क्षमताओं को बढ़ाने के इरादे से अमेरिकी परमाणु हथियारों को तैनात करने की लंदन की तैयारी, जर्मनी और पोलैंड के साथ फ्रांस का परमाणु सहयोग और अपने खुद के परमाणु हथियार हासिल करने के बारे में जर्मनी की बयानबाजी पर गंभीर चिंता जतायी है। श्री गैतिलोव ने कहा, 'यह सब परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने की व्यवस्था को गंभीर रूप से नुकसान पहुंचाता है।

ब्लैक सी में बढ़ते खतरे के बीच सरकार ने भारतीय नाविकों को सतर्क रहने की दी सलाह

» **नई दिल्ली, यूटर्न/ 26 जुलाई ।**

हाल ही में भारत के पांच नाविक ब्लैक सी से गुजर रहे शिप पर हुए हमले में मारे गए। भारत सरकार ने इसे लेकर रूस से अपना विरोध भी दर्ज कराया। खतरा बरकरार है। इसे ध्यान में रख भारत सरकार ने ब्लैक सी (काला सागर) और उससे जुड़े समुद्री क्षेत्रों में संचालित वाणिज्यिक जहाजों पर काम करने वाले या वहां नौकरी करने की योजना बना रहे भारतीय नागरिकों के लिए रविवार को एक सुरक्षा एडवाइजरी जारी की है।

सरकार ने कहा है कि रूस-यूक्रेन संघर्ष के चलते इस क्षेत्र की सुरक्षा स्थिति बेहद अस्थिर बनी हुई है और यहां से गुजरने वाले व्यापारिक जहाज लगातार मिसाइल और ड्रोन हमलों के खतरे का सामना कर रहे हैं।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी एडवाइजरी के अनुसार, अप्रैल 2026 से इस क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर हमलों की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। इन हमलों में अब तक पांच भारतीय नागरिकों की मौत हो चुकी है। इसे देखते हुए सरकार ने भारतीय नाविकों और समुद्री क्षेत्र में काम करने वाले लोगों से

विशेष सतर्कता बरतने की अपील की है।

सरकार ने कहा है कि जो भारतीय नागरिक ब्लैक सी क्षेत्र में संचालित या वहां से गुजरने वाले जहाजों पर नौकरी करने की सोच रहे हैं, वे नियुक्ति स्वीकार करने से पहले सुरक्षा स्थिति का गंभीरता से आकलन करें। यदि वे ऐसे जहाजों पर काम करने का फैसला करते हैं तो उन्हें सभी आवश्यक सुरक्षा उपायों का पालन करना चाहिए।

विदेश मंत्रालय ने सलाह दी है कि नौकरी स्वीकार करने से पहले नियोक्ता, भर्ती एजेंसी और जहाज संचालक से जहाज के प्रस्तावित मार्ग, जिन बंदरगाहों पर जहाज जाएगा, सुरक्षा व्यवस्था, बीमा कवरेज और आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रणाली की पूरी जानकारी प्राप्त करें।

ब्राजील ने अमेरिकी अधिकारियों को वीजा देने से किया इनकार

» **ब्रासीलिया, यूटर्न/ 26 जुलाई ।**

ब्राजील सरकार ने अमेरिका के दो अधिकारियों को वीजा देने से इनकार कर दिया है। ब्राजील के अधिकारियों के अनुसार, यह फैसला इस आशंका के चलते लिया गया कि प्रस्तावित दौरे का उद्देश्य देश की चुनावी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल उठाना और आगामी राष्ट्रपति चुनाव से पहले राजनीतिक माहौल को प्रभावित करना हो सकता है। इस घटनाक्रम ने दोनों देशों के बीच कूटनीतिक हलकों में नई चर्चा छेड़ दी है। ब्राजील के अधिकारियों के मुताबिक, जिन अमेरिकी अधिकारियों के वीजा आवेदन खारिज किए गए, उनमें अमेरिकी विदेश विभाग के ब्यूरो ऑफ डेमोक्रेसी, 'ूमन राइट्स एंड लेबर के सहायक सचिव रिले एम. बार्न्स और डिप्टी असिस्टेंट सेक्रेटरी सैमुअल सैमसन शामिल थे। अधिकारियों का कहना है कि उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर यह आशंका बनी कि प्रस्तावित दौरा चुनावी प्रक्रिया को लेकर राजनीतिक विवाद को बढ़ावा दे सकता है। फिलहाल अमेरिकी विदेश विभाग की ओर

से इस मामले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। ब्राजील में अक्टूबर में राष्ट्रपति चुनाव प्रस्तावित हैं, जिसमें मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला डी सिल्वा का मुकाबला ट्रंप समर्थक माने जाने वाले सीनेटर फ्लावियो बोल्सोनारो से होना है। चुनाव से पहले चुनावी व्यवस्था और इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली को लेकर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। ब्राजील की राजनीति में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग प्रणाली लंबे समय से बहस का विषय रही है। पूर्व राष्ट्रपति जायर बोल्सोनारो ने 2022 के चुनाव से पहले भी चुनावी प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठाए थे, हालांकि उनके दावों के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य सामने नहीं आया।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, C/O Ummpl Marketing Pvt. 194-G, Sector 63, Noida 201307, Editor: Sandeep Sharma
Contact - +91 9888200619
* तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आर.बी.एक्ट. के तहत जिम्मेवार *